राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

कार्तिक आर्यन, कबीर खान मई में ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 28 अप्रैल 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 127 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बृजभूषण शरण सिंह ने संकेत दिए कि जब तक लड़ने की ताकत है हार नहीं मानेंगे

नयी दिल्ली। देश के चोटी के पहलवानों के यौन उत्पीड़न

के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को संकेत दिए कि वह खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। भाजपा के सांसद सिंह ने वीडियो संदेश में अपने ऊपर लगे आरोपों का जिक्र किए बिना संकेत दिया कि जब तक उनके पास लड़ने की ताकत है तब तक वह हार नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा,'' मित्रों, जिस दिन मैं अपने जीवन की समीक्षा करूंगा कि क्या खोया क्या पाया, जिस दिन मैं महसूस करूंगा कि मेरे संघर्ष करने की क्षमता अब समाप्त हो गई है, जिस दिन मैं महसूस करूंगा मैं लाचार हूं, मैं बेचारा हूं, मैं ऐसी जिंदगी जीना पसंद नहीं करूंगा। मैं चाहूंगा कि ऐसी जिंदगी जीने के पहले मौत मेरे करीब आ जाए।'' विश्व चौंपियनशिप की पदक विजेता विनेश फोगाट, ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित कई स्टार पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं और वे जंतर मंतर पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं।

चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने की राजनाथ सिंह से मुलाकात

गलवान में सैनिकों की खूनी झड़प के बाद किया भारत का दौरा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय बैठक की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष ली शांगफू के साथ वार्ता की। सिंह कल नई दिल्ली में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। गलवान घाटी में 2020 में हुई झड़प के बाद ली पहली बार दिल्ली आएं हैं। एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा, एससीओ के भीतर आतंकवाद विरोधी पहल और प्रभावी बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने से संबंधित विषयों को संबोधित करेगी। भारत के रक्षा मंत्री यक्षता करेंगे। बैठक में राजनाथ सिंह इस बैठक की अध्

अफगानिस्तान के मौजूदा हालात सहित क्षेत्रीय सुरक्षा पर विचार–विमर्श होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''इस बैठक में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्री भाग लेंगे। भारत ने एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बेलारूस और ईरान को आमंत्रित किया है, जो वर्तमान में एससीओ में पर्यवेक्षक हैं।

बता दें कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक बहुराष्ट्रीय समूह है जिसे 2001 में स्थापित किया गया था। भारत के साथ–साथ एससीओ में चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान भी सदस्य हैं। एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में सदस्य देशों के अलावा दो पर्यवेक्षक देशों, बेलारूस और ईरान की भागीदारी भी शामिल होगी।

इंटेलिस्मार्ट को उत्तर प्रदेश सरकार से 67 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का ठेका

नयी दिल्ली। स्मार्ट मीटर और डिजिटल समाधान प्रदाता इंटेलिस्मार्ट को उत्तर प्रदेश सरकार से राज्य के 14 जिलों में 67 लाख प्रीपेड मीटर लगाने का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इंटेलिस्मार्ट ने बयान में कहा कि डिस्कॉम पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) ने इस बारे में आशय पत्र (एलओए) जारी किया है। यह परियोजना पीवीवीएनएल के तहत अमरोहा, बागपत, बिजनौर, बुलंदशहर, गाजियाबाद, जीबी नगर, हापुड़, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, संभल और शामली जिलों में शुरू की जाएगी। इंटेलिस्मार्ट के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिल रावल ने कहा कि असम के बाद यह कंपनी की दूसरी स्मार्ट मीटर परियोजना है। गुरुग्राम की कंपनी इंटेलिस्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर... राष्ट्रीय निवेश अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) का संयुक्त उद्यम है।

आतंकवादियों को आश्रय, भोजन देने वाले शख्स पर गई जांच की सूई

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में 20 अप्रैल को सेना के वाहन पर हुए आतंकी हमले की जांच में एक बड़ी सफलता मिली है। एक ग्रामीण ने कथित तौर पर लगभग दो–तीन महीने तक आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान करने की बात स्वीकार की है। जहां वरिष्ठ पुलिस और सुरक्षा बल के अधिकारी विकास के बारे में चुप्पी साधे रहे, सूत्रों ने कहा कि भीमबेर गली–सुरनकोट–पुंछ रोड पर हुए आतंकी हमले के बाद पूछताछ के लिए उठाए गए लगभग 60 लोगों में से एक ग्रामीण था, जिसमें पांच सैनिक मारे गए और एक अन्य घायल हो गया। सूत्रों ने कहा कि सेना के वाहन पर हमला करने वाले आतंकवादी कथित तौर

पर शुरू में ग्रामीण के घर पर रुके थे और बाद में भट्टा डूरियन जंगलों में चले गए। ग्रामीणों ने कथित तौर पर आतंकवादियों को भोजन और आश्रय सहित रसद प्रदान करने की बात स्वीकार की है। सुरक्षा बल ग्रामीणों को भी आतंकवादियों के ठिकाने तक ले जाने के लिए जंगल के अंदर ले गए। ज्ञात ओवर–ग्राउंड वर्कर्स (ळॅै) के अलावा, पुलिस और सुरक्षा बलों ने उस समय आतंकवादी हमले के स्थल के पास अपने मोबाइल फोन के स्थानों के आधार पर पूछताछ के लिए कई लोगों को उठाया था। पुलिस सूत्रों ने कहा कि कई लोगों के खिलाफ कुछ नहीं मिलने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। सुरक्षा बलों और पुलिस ने भट्टा डूरियन के जंगलों और बालाकोट, मेंढर और मनकोट सेक्टरों में नियंत्रण रेखा से लगे इलाकों में पिछले एक हफ्ते से तलाशी जारी रखी है। हालांकि, आतंकियों का कोई पता नहीं चला है। इस बीच, उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को क्षेत्र में चल रही तलाशी की प्रगति का जायजा लिया और जवानों से बातचीत की।

बीएसएफ ने पंजाब के अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन को मार गिराया

अमृतसर (पंजाब)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर के धनो कलां गांव के पास भारतीय क्षेत्र में हेरोइन और अफीम के पैकेट ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर के धनो कलां गांव के पास भारतीय क्षेत्र में हेरोइन और अफीम के पैकेट ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने क्षेत्र की प्रारंभिक तलाशी के दौरान आंशिक रूप से टूटी हुई स्थिति में एक काले रंग का ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके) बरामद किया। बीएसएफ ने कहा बरामद अन्य सामग्रियों में पीले चिपकने वाले टेप से लिपटा एक बड़ा पैकेट शामिल है जिसमें संदिग्ध हेरोइन के दो पैकेट और अफीम के दो छोटे पैकेट, खेप से जुड़ी एक लोहे की अंगूठी शामिल है। हेरोइन के दो पैकेटों का कुल वजन 2 किलो और अफीम का 170 ग्राम

है। इससे पहले बुधवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बुधवार को पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ कर रहे एक ड्रोन पर गोलीबारी कर उसे रोक दिया। बीएसएफ ने एक बयान में कहा, ष्पाकिस्तान की ओर से प्रवेश कर रहे एक दुष्ट ड्रोन को अमृतसर सेक्टर में सतर्क बीएसएफ सैनिकों द्वारा गोलीबारी के साथ रोक दिया गया। दागे जाने पर ड्रोन वापस पाकिस्तान की ओर लौट गया।ष अर्धसैनिक बल ने कहा कि 28 मार्च को, बीएसएफ ने अमृतसर में एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया, जब यह वर्जित वस्तुओं की खेप लेकर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। ड्रोन को अमृतसर में तब मार गिराया गया जब बीएसएफ के जवानों ने उड़ने वाली वस्तु की भनभनाहट सुनी। इसे अगले दिन सुबह सीमा सुरक्षा बल द्वारा चलाए गए एक तलाशी अभियान के दौरान बरामद किया गया था। बीएसएफ ने कहा कि ड्रोन पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया और अमृतसर सेक्टर में सीमा चौकी राजाताल के क्षेत्र में इसका पता चला। इससे पहले, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने भारत–पाक सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया, जो 2 फरवरी से 3 फरवरी की रात 2रू30 बजे अमृतसर सेक्टर में घुसपैठ कर गया था। बीएसएफ ने कहा कि ड्रोन पंजाब के अमृतसर सेक्टर में बॉर्डर ऑब्जर्वेशन पोस्ट (बीओपी) रियर कक्कड़ की जिम्मेदारी के क्षेत्र में घुस गया।

खड़गे का आपत्तिजनक बयान, बोले– जहरीले सांप जैसे हैं पीएम मोदी, भाजपा ने किया पलटवार

कालाबुरागी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आपत्तिजनक बयान दिया है। कर्नाटक के कालाबुरागी में एक सभा के दौरान खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी श्जहरीले सांपश की तरह हैं, आप सोच सकते हैं कि यह जहर है या नहीं। यदि आप इसे चाटते हैं, तो आप मर चुके हैं। इस बयान पर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने ट्वीट कर कहा कि अब कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया श्जहरीला सांपश। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के श्मौत का सौदागरश से जो शुरू हुआ और उसका अंत कैसे हुआ, हम जानते हैं, कांग्रेस लगातार नई गहराईयों में उतरती जा रही है। इसके साथ ही भाजपा नेता ने कहा कि हताशा से पता चलता है कि कांग्रेस कर्नाटक में जमीन खो रही है और इसे जानती है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब खड़गे ने आपत्तिजनक बयान दिया हो।

पीएम मोदी के कांग्रेस मतलब... वाले बयान पर बोले जयराम रमेश, निराशा और हताशा झलक रही है

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को कर्नाटक में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने कांग्रेस को वोट दिया, वे अभी भी अपनी चुनावी गारंटियों के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस की वारंटी समाप्त हो गई है और पार्टी कोई गारंटी देने की स्थिति में नहीं है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमित शाह और योगी आदित्यनाथ के बाद अब पीएम मोदी की षनिराशा और हताशा के कारण अपमानजनक टिप्पणी करने को मजबूर हो गए हैं। कांग्रेस के चुनावी वादे पूरे नहीं करने के पीएम मोदी के दावों पर पलटवार करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस ने पुरानी पेंशन योजना, 125 दिन का काम, स्वास्थ्य का अधिकार और चिरंजीवी योजना लागू की। जयराम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने किसानों की कर्जमाफी,

राजीव गांधी किसान न्याय योजना और पुरानी पेंशन योजना को पूरा किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पूछा कि क्या पीएम मोदी के पास यह साबित करने के लिए कोई डेटा है कि कांग्रेस के वादे पूरे नहीं हुए। हमने 2013 में सरकार बनाई थी और 2018 तक सत्ता में थे। हमारे लगभग 100ः वादे पूरे किए गए हैं। खरगे ने कहा कि क्या उनके पास कोई आंकड़ा है? भ्रष्टाचार की बात करते हुए आप खुद भ्रष्टाचारियों को अपना प्रचारक बनाते हैं और ऐसा हम नहीं कह रहे हैंय यह कर्नाटक की जनता कह रही है। मोदीजी को झूठ को सच बनाने की कोशिश में दोहराने की आदत है, लेकिन लोग इस बात को समझ चुके हैं। इस बार, यह कर्नाटक में काम नहीं करेगा।

बद्रीनाथ धाम के खुले कपाट, नाचते–गाते नजर आए भक्त

उत्तराखंड में शुरू हुई चार धाम यात्रा

देहरादून। केदारनाथ धाम के बाद 27 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। इसी के साथ उत्तराखंड में चार धाम यात्रा की शुरू भी हो गयी है। 27 अप्रैल की सुबह 7रू10 बजे धाम के कपाट भक्तों के लिए खोले गए। धाम में भगवान बदरीनाथ की विशेष पूजा–अर्चना की। पिछले साल की तरह इस बार भी मंदिर में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से की गयी। विधि–विधान से पूजा के बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोले गए।

कपाटोद्घाटन के अवसर पर करीब 20 हजार श्रद्धालु बद्रिनाथ के दर्शन करने के लिए धाम में मौजूद थे। बद्रीनाथ धाम के कपाट भक्तों के खोले जाने के बाद आईटीबीपी बैंड और गढ़वाल स्काउट्स ने प्रस्तुति दी। आईटीबीपी बैंड और गढ़वाल स्काउट्स की धून पर श्रद्धालु नाचते–गाते नजर आए। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशों के अनुरूप तीर्थ यात्रियों के स्वागत में उन पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई।

पीएम के बयान पर डीके शिवकुमार का पलटवार, बोले– कांग्रेस की गारंटी भाजपा की तरह नहीं, हमने 95% वादे पूरे किए

बंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में वार–पलटवार का दौर लगातार जारी है। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान पर राजनीति शुरू हो गई है। नरेंद्र मोदी के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने साफ तौर पर कहा कि हम अपने वादे पूरे करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि कांग्रेस पार्टी की गारंटी पर पीएम ध्यान दे रहे हैं। लेकिन पीएम को पिछले साल भाजपा के घोषणापत्र पर भी नजर डालनी चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे इसके साथ नहीं रह सके, यही वजह है कि यह डबल इंजन सरकार विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की गारंटी भाजपा की तरह नहीं है। हमने अपने 95ः वादे पूरे किए हैं। मुझे विश्वास है कि कांग्रेस यहां सत्ता में आएगी।

कर्नाटक भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने आज कहा था कि कांग्रेस मतलब झूठी गारंटी, कांग्रेस मतलब भ्रष्टाचार की गारंटी। कांग्रेस उस राज्य में है जहां वे कोई गारंटी नहीं दे सकते। और उनकी वारंटी भी समाप्त हो गई है। उन्होंने साफ कहा कि भ्रष्टाचार का मुकाबला करने में कांग्रेस की कोई दिलचस्पी नहीं थी क्योंकि वह स्वयं भ्रष्टाचार का स्रोत थी। 2014 से, भ्रष्टाचार के खिलाफ एक तीव्र और जोरदार लड़ाई चल रही है। जनधन, आधार और मोबाइल के श्ज्त्प्क्ष्छज्श ने भ्रष्टाचार पर इतनी ताकत से प्रहार किया है। इसके साथ ही मोदी ने कहा कि हमारे देश में कुछ राजनीतिक दलों ने राजनीति को सिर्फ सत्ता और भ्रष्टाचार का साधन बना दिया। इसको हासिल करने के लिए वो शाम, दाम, दंड, भेद हर तरह का तरीका अपना रहे हैं। इन राजनीतिक दलों को देश के भविष्य की, आने वाले पीढ़ियों की, कनार्टक के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि मुफ्त की रेवड़ी की राजनीति की वजह से कई राज्य बेतहाशा खर्च अपनी दलगत भलाई के लिए कर रहे हैं। राज्य डूबते चले जा रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों का भी ये खा जा रहे हैं। देश ऐसे नहीं चलता, सरकार ऐसे नहीं चलती।

कासिम उर्फ काजू भाई के साथ दर्जनों लोगों ने शाबान अली को अपना समर्थन दिया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। निकाय चुनाव के लिए जैसे जैसे मतदान की तिथि करीब आ रही है वैसे वैसे राजनीतिक माहौल में नित्य नई तब्दीलियां भी देखने को मिल रही हैं। नगर पालिका परिषद बलरामपुर की चुनावी सरगर्मी की बात करें तो यहां का चुनावी माहौल काफी दिलचस्प है और बदलते समीकरण को देखते हुए यहां मुकाबला बसपा और भाजपा के बीच ही सिमटता दिखाई दे रहा। नगर के मतदाताओं के बीच हो रही चर्चाओं में जहां बहुजन समाज पार्टी से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ष्शाबान अलीष् केंद्र बिंदु हैं तो वहीं भाजपा प्रत्याशी धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू भी गर्मागर्म बहस का हिस्सा बने हुए हैं। राजनीतिक माहौल की बात करें तो बसपा प्रत्याशी शाबान अली पुनः विजय प्राप्ति का मार्ग प्रत्याशी भी जीत का दावा ठोक

प्रशस्त करने के लिए पूरे दमखम से चुनावी मैदान में हैं तो वहीं भाजपा प्रत्याशी धीरेंद्र प्रताप सिंह ष्धीरूष् भी मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने की जद्दोजहद कर रहे हैं। जबकि सपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, एमआईएम, तथा निर्दलीय रहे हैं। इसी क्रम में शाबान अली ने जीत का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अपने खेमें को अधिक मजबूत करने में सफलता हासिल की है। निकाय चुनाव में सभासद प्रत्याशी के रूप में समाजवादी पार्टी से दावेदारी कर रहे कासिम उर्फ काजू ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ बसपा प्रत्याशी शाबान अली को अपना समर्थन देकर राजनीतिक माहौल को अधिक गर्म कर दिया है। कासिम उर्फ काजू भाई के समर्थन से जहां शाबान समर्थक गदगद हैं वहीं सपा प्रत्याशी के खेमे में बेचौनी का माहौल है। कासिम उर्फ काजू के साथ रहमानी, रेहान, सुरेश, अब्दुर्रहमान, नादिम चौधरी, फिरोज, सोनू बाबू, सलमान, अशरफ, साहिल, अफरोज, कादिर, चुन्ना, आमिर, साहबे आलम, लालू राज, बच्चन, रमन, गप्पी, महेश, धीरू, पवन, विराज, कनाई, राहुल, मनीष, बक्कल, सरवन, जीबू, शिवा, मो हबीब, राज, अमन, फरहान, अनस आदि दर्जनों लोगों ने शाबान अली को अपना समर्थन दिया।

चुनाव की निष्पक्षता एवं गरिमा धूमिल करते सरकारी कर्मचारी

प्रशान्त शुक्ला/

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में कार्यरत लिपिक सुशील कुमार द्वारा सरकार के खिलाफ जातीय भेदभाव फैलाने तथा दलित बाल्मीकि समाज का तिरस्कार करने का आरोप लगाते हुए प्रोपोगंडा करते हैं। चुनाव आयोग एवं कर्मचारी आचरण का उल्लंघन करते हुए सभासद प्रत्याशी का विभिन्न माध्यमों तथा व्यक्तिगत रूप से चुनाव प्रचार करने के संबंध में बवाल मचा हुआ है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बलरामपुर में लिपिक के पद पर कार्यरत सुशील कुमार सोशल मीडिया के माध्यम से वाल्मीकि समाज को भड़का कर समाज में विद्वेष की भावना फैला

रहे हैं जिससे समाज में विविध भावनाओं को जन्म देकर नफरत की भावना पैदा हो सकती है जिससे अशोभनीय एवं अनैतिक विद्रोह की भावना जन्म ले सकती है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार लिपिक सुशील कुमार नगर निकाय चुनाव में नगर पालिका ग दुरावा बलरामपुर दक्षिणी वार्ड नंबर 8 की निर्दल सभासद प्रत्याशी रूबी जो सपा नेता मोहम्मद रईस की भाभी है का चुनाव प्रचार खुलकर कर रहे हैं सुशील कुमार प्रत्याशी के पक्ष में वोटरों को लुभाने के लिए निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों एवं नियमों को ताक पर रखकर व्यक्तिगत रूप से खुलकर जिताने की बात कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वोटरों को पैसा भी बांट रहे हैं। डीपी सिंह मीडिया प्रभारी भाजपा से प्राप्त जानकारी के अनुसार लिपिक सुशील कुमार सभासद प्रत्याशी रूबी जिनका चुनाव निशान किताब है पर मोहर लगाकर जिताने की बात कर रहे हैं क्योंकि सुशील कुमार समाज कल्याण विभाग में लिपिक के पद पर से लगभग 7 वर्षों से होने के नाते मदरसा शिक्षकों और कर्मचारियों की आवश्यकता उनसे पढ़ती रहती है इसलिए उन कर्मचारियों और शिक्षकों के ऊपर नाजायज दबाव डालकर के तथा उनके रिश्तेदारों पर भी पता करके दबाव डालते हैं और वोट देने की बात कह रहे हैं पता चला है कि सुशील कुमार उपरोक्त विभाग में एक ही पटल पर कई वर्षों से कार्यरत होने के कारण संबंधित वोटरों और उनके रिश्तेदारों को उनके मनोभाव के विरुद्ध दबाव डाल रहे हैं। यह भी पता चला है कि जो शिक्षक कर्मचारी या उनके रिश्तेदार वोट नहीं देते हैं और रूबी हार जाती हैं तो उनके विरुद्ध कार्रवाई करके नौकरी तबाह कर दूंगा।

भाजपा प्रत्याशी ने झोंकी ताकत,सीबीएससी मैनेजर स्कूल एसोसिएशन ने दिया समर्थन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। नगर पालिका क्षेत्र में ही भाजपा प्रत्याशी ने अपना प्रचार शुरू कर दिया है। इसी क्रम में मिश्रौलिया, चिकवा टोला वार्डो में सम्पर्क कर समर्थन माँगा। लोगो ने प्रत्याशी को अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया। इस बार सोशल मीडिया पर प्रचार का ज्यादा जोर है। इसके लिए भाजपा ने अपना वार रूम बनाए हैं और इनके जरिए व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर व अन्य सोशल मीडिया साइट पर अपने अपने संदेश डाले जा रहे है। डोर टू डोर वोट मांगने का सिलसिला शुरू हो गया है। उधर, महिलाओं की टीम भी वार्ड वार्ड और डोर टू डोर जाकर जनसंपर्क कर रही है। सीबीएससी मैनेजर स्कूल एसोसिएशन के धीरेंद्र शुक्ला जेपी तिवारी मुकेश खंडेलवाल विवेक श्रीवास्तव व्यापार मंडल से राजेश अग्रवाल पहलाद मोदी विमल गोयल रूपम सरदार सुनील गुप्ता

चुनावी माहौल इस वक्त चरम पर है। नामांकन प्रक्रिया समाप्त होते आज प्रत्याशी सीमा खरे एवं अनूप खरे ने पठान टोला, कटरा, चित्रांश क्लब के अश्वनी श्रीवास्तव रत्नाकर श्रीवास्तव कन्हैया श्रीवास्तव मनीष श्रीवास्तव दुर्गेश देव श्रीवास्तव मनोज श्रीवास्तव ने भाजपा प्रत्याशी को अपना समर्थन देकर जीत की शुभकामनाये दी। नगर पालिका बस्ती से लगभग सभी पार्टियों ने अपने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए है। इसके बाद अब प्रचार प्रसार भी तेज हो गया है। प्रत्याशी बड़े–बड़े होर्डिंग, फ्लेक्स, रैली को भूलकर जनता जनार्दन पर अलग तरह का फॉर्मूला अपना रहे हैं। प्रत्याशी तकनीकी प्रचार माध्यमों का इस्तेमाल कर जनता को लुभा रहे हैं। भाजपा ने अपने डिजिटल वार रूम बना लिए है, जिसकी जिम्मेदारी युवा कार्यकर्ताओं की दी गई है। चुनाव प्रचार के लिए मोबाइल एप व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, यूट्यूब, कू, सिग्नल का उपयोग अधिक हो रहा है।

सोशल मीडिया पर सैकड़ों ग्रुप बनाकर चुनाव प्रचार

नगर पालिका क्षेत्र में भाजपा ने सैकड़ों ग्रुप बना रखे हैं, जिसमें 256–256 सदस्य जुड़े हुए हैं। व्हाट्सएप पर ब्रॉडकास्ट बनाकर इसकी सीमा और बढ़ जाती है। व्हाट्सएप पर इसी प्रचार को स्टेटस पर शेयर किया जाता है। वार टीम द्वारा फेसबुक पर पोस्ट डालकर, फेसबुक के पेज ग्रुप बनाकर प्रचार किया जा रहा है। ट्विटर पर पोस्ट डालने के बाद रिट्वीट कर प्रत्याशी प्रचार कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर प्रचार की छोटी–छोटी जेपीजी इमेज, रील डालकर प्रचार किया जा रहा है। यूट्यूब पर चुनाव प्रचार के वीडियो बनाकर शेयर किया जा रहा है। टेलीग्राम पर भी वार्ड बार कई ग्रुप बनाकर के पब्लिसिटी की जा रही है। इसके अलावा कू ऐप का भी इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए किया जा रहा है। जमीनी लोगों के लिए अलग रणनीति ऐसे लोग जिनका तकनीकी उपकरणों पर हाथ साफ नहीं है, और तमाम बुजुर्ग, किसान व गरीब लोग जो बिना मोबाइल हैं। ऐसे लोगो के लिए युवाओं के अलावा अन्य टीमें वार्डो में जाकर डोर टू डोर जनसंपर्क कर रही है। सुबह होते ही भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ता पहुंच जाते है। इसके बाद कई गाड़ियों में बैठकर अपने अपने क्षेत्र में प्रचार के लिए निकल जा रहे हैं। महिलाएं भी प्रचार प्रसार में पीछे नहीं हैं। महिलाएं भी अपनी टोली बनाकर महिलाओं से घर घर जाकर अपने–अपने प्रत्याशी के लिए वोट मांग रहे।

अध्यक्ष पद के 3 उम्मीदवारों ने वापस लिया नाम सपा को करेंगे समर्थन

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। नगर निकाय चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के

तहत आज नाम वापसी प्रक्रिया हुई। मेहदावल नगर पंचायत में 5 प्रत्याशियों ने सपा से किया था नामांकन जिसमें रमेश लक्ष्मी पत्नी रमेश निषाद को सपा से उम्मीदवार घोषित किया गया इसी को लेकर जिला कार्यकारिणी ने चार लोगों को पर्चा वापस लेने की बात कही जिसमें 3 प्रत्याशियों ने पर्चा वापस के बाद सपा प्रत्याशी को जिताने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे अध्यक्ष पद के 3 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिया। शुक्रवार को प्रत्याशियों को प्रतीक चिह्नों का आवंटन किया जाएगा। नाम वापसी के चलते नामांकन स्थलों के आसपास काफी गहमा–गहमी रही। स्वामीनाथ सहानी ने कहा कि लक्ष्मी पत्नी रमेश निषाद के समर्थन में हम लोगों ने पर्चा वापस लिया और हम लोग सपा के सक्रिय कार्यकर्ता हैं और रहेंगे सपा को मेहदावल से जीता कर कुर्सी पर बैठेंगे।

बेलहर, धर्मसिंहवां नगर पंचायत में भाजपा प्रत्याशी के कार्यालय का हुआ उद्घाटन पहुंचे सांसद विधायक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बेलहर,संतकबीरनगर। निकाय चुनाव के मद्देनजर भाजपा

प्रत्याशी के कार्यालय का हुआ शुभारंभ पहुंचे सांसद और विधायक ने लोगों को किया संबोधित। नव सृजित बेलहर नगर पंचायत में निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशी अत्रि मुनि राय और धर्मसिंहवां नगर पंचायत से भाजपा प्रत्याशी माधुरी निषाद पत्नी अजीत निषाद के कार्यालय का हुआ उद्घाटन कार्यक्रम में काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी रहे उपस्थित, लोगों को संबोधित करते हुए सांसद, विधायक ने कहा की सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जनता तक पहुंच रही हैं हमारा प्रयास है की जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले और निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को आप लोग ज्यादा से ज्यादा समर्थन दें जिससे नीव मजबूत होगा तभी देश में डबल इंजन की सरकार विकास के पथ पर अग्रसर होगी। इस दौरान भाजपा सांसद प्रवीण निषाद, मेंहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी, अत्रि मुनि राय ,सेतभान राय, तारा राय ,अजय राय, हरिनाथ कन्नोजिया, मोहम्मद हसन अजीत निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

गुजरात का दौरा राष्ट्रीय महासचिव का श्रमिको के लिए साबित हो सकता है रामबाण

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। भारतीय जनता पार्टी अनुषांगिक संगठन के राष्ट्रीय महासचिव के दो दिवसीय दौरे पर सूरत, गुजरात दौरे रहेंगे राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक का यह दौरा मुख्य रूप से असंगठित मजदूर की समस्याएं के निदान लिए होगा हमारे संवाददाता से बात करते हुए चंद्र पाठक के निजी सचिव रति पांडे ने बताया कि हमें ज्ञात हुआ है कि सूरत में सम्मानित मजदूरों को नियमानुसार बोनस नहीं मिलता सूरत में रहने वाले उत्तर भारतीय सम्मानित मजदूरों का राशन कार्ड भी नहीं बनता है सम्मानित मजदूरों को घायल स्थिति में किसी भी सम्मानित मजदूर को चोट लगने पर मेडिकल कोई भी कंपनी कंपनियों द्वारा उपलब्ध नहीं कराई जाती है असंगठित सम्मानित मजदूर के लिए सूरत में लेबर कमिश्नर की भी सुविधा उपलब्ध नहीं है जिसके कारण सम्मानित मजदूरों के साथ न्याय उचित कार्य नहीं हो पाता असंगठित मजदूर हमेशा मील मालिकों एवं साहूकारों की भेंट चढ़ जाते हैं श्री पांडे ने बताया कि श्री पाठक का दौरा इसलिए हो रहा है कि मजदूरों कामगारों के साथ न्याय उचित कार्य सदैव हो सके तथा आयोग में इनकी समस्याओं के निदान के लिए हमारे कार्यकर्ता अग्रसर होकर निष्ठा के साथ कार्य कर सकें तथा राज्य सरकार व भारत सरकार की योजनाओं का लाभ मजदूरों कामगारों तक आसानी से पहुंचाया जा सके श्री पाठक अपने कार्यक्रम के माध्यम से सम्मानित श्रमिकों एवं कामगारों के बीच में जागरूकता अभियान चलाकर कर व कार्यक्रम का भी शुभारंभ करेंगे जिससे श्रमिक भाई सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकेंगे।

नगरीय निकाय चुनाव में समस्त आबकारी विभाग की दुकाने रहेंगी बंद–जिला मजिस्ट्रेट

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। तुलसीपुर उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के अनुपालन में जिलाधिकारीधजिला मजिस्ट्रेट डॉ महेंद्र कुमार द्वारा नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से आबकारी दुकानों की बंदी एवं मादक वस्तुओं के उपभोग को प्रतिबंधितधनियंत्रित करने हेतु आबकारी अधिनियम– 1910 की धारा– 59 के अंतर्गत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समस्त आबकारी की दुकानों को 2 मई, 2023 शाम 6.00 से 4 मई, 2023 मतदान समाप्ति तक तथा मतगणना दिनांक 13 मई, 2023 को प्रारंभ होने से पूर्व के दिनांक 12 मई, 2023 को शाम 6.00 बजे से मतगणना मतगणना समाप्त के दिनांक 13 मई 2023 को रात्रि 12.00 बजे तक जनपद की आबकारी विभाग की समस्त देसी शराब, मदिरा, बीयर, मॉडल शॉप, बार, भांग, स्प्रिट की थोक एवं फुटकर दुकानों को बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है, आबकारी दुकानों की बंदी हेतु संबंधित दुकानदारों को किसी प्रकार का कोई प्रतिफल दिए नहीं होगाद्य इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

अतिसंवेदनशील प्लस बूथों पर होगी वेबकास्टिंग– जिला निर्वाचन अधिकारी

अध्यक्ष पद के लिए 103 व सदस्य पद के लिए 865 प्रत्याशी लड़ेंगे चुनाव -जिला निर्वाचन अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। गुरूवार को जिलाधि

ाकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी डॉ० उज्ज्वल कुमार ने नगर निकाय निर्वाचन– 2023 के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता कर चुनाव संपन्न कराने को लेकर जानकारी दी गई। उन्होंने कहा, ष्जिले में तीन नगर पालिका और 7 नगर पंचायत हैं। जिले में कुल 173 वार्ड और 114 मतदान केंद्र हैं। पूरे जिले को 14 जोन और 37 सेक्टरों में बांटा गया है। वोटरों की संख्या 2 लाख 62 हजार 389 है जिसमें 138484 पुरुष मतदाता व 123905 महिला मतदाता है। जिले में मतदान पहले चरण में होना है। 4 मई को वोट डाले जाएंगे। वोट डालने का समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक का रखा गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 173 वार्डों के लिए 114 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिसमें कुल 323 बूथ में वोटिंग होगी। सभी नगर निकायों के अध्यक्ष पद हेतु 10 आरओ व 20 एआरओ तथा सदस्य पद हेतु 23 आरओ व 46 एआरओ बनाए गए है। सभी दस नगर निकायों को अलग–अलग 14 जोन व 37 सेक्टर में बांटा गया है। जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 114 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिसमें से 8 सामान्य 35 संवेदनशील 60 अतिसंवेदनशील व 11 संवेदनशील प्लस है वही बूथों की बात करें तो 18 सामान्य, 105 संवेदनशील, 168 अति संवेदनशील व अतिसंवेदनशील प्लस बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि समस्त बूथों पर वीडियोग्राफी कराई जाएगी और अति संवेदनशील प्लस मतदान स्थलों पर आयोग द्वारा वेबकास्टिंग भी कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि नगर पालिका परिषद, गोंडा, नगर पंचायत खरगूपुर व ध ाानेपुर के लिए कृषि उत्पादन मंडी समिति बहराइच रोड, नगर पालिका परिषद करनैलगंज, नगर पंचायत कटरा एवं परसपुर के लिए कृषि उत्पादन मंडी समिति करनैलगंज, नगर पालिका परिषद नवाबगंज, नगर पंचायत बेलसर व तरबगंज के लिए किसान बालिका इंटर कॉलेज तरबगंज एवं नगर पंचायत मनकापुर के लिए एपी इंटर कॉलेज मनकापुर को स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल बनाया गया है। जिलाधिकारी ने बनाए बताया कि नगर निकाय निर्वाचन मैं आयोग के दिशा निर्देश अनुसार 10 पिंक बूथ मतदान केंद्र बनाए गए हैं सभी नगर निकाय में 11 मतदान केंद्र को पिंक बूथ मतदान केंद्र बनाया गया है। जिलाधि ाकारी ने बताया कि सभी 10 नगर निकायों में अध्यक्ष पद हेतु कुल 103 प्रत्याशी व सदस्य पद हेतु 865 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है जबकि नगर पालिका परिषद गोंडा के वार्ड 19 से अल्पना सिंह, नगर पालिका परिषद नवाबगंज के वार्ड 10 से अमित सिंह, नगर पंचायत खरगूपुर वार्ड 5 से रुखसाना, नगर पंचायत मनकापुर वार्ड 6 से वैभव सिंह, नगर पंचायत मनकापुर वार्ड 9 से विकास सिंह को निर्विरोध चुनाव लड़ रहे है। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अनिल कुमार मिश्रा को प्रेक्षक बनाया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 323 बूथ बने हैं। अतः इसी हिसाब से चुनाव को सकुशल संपन्न कराने हेतु 323 पीठासीन अधिकारी, 323 प्रथम मतदान अधिकारी, 323 द्वितीय मतदान अधिकारी, 323 तृतीय मतदान अधिकारी व 34 रिजर्व पोलिंग पार्टियां बनाई गयी है। मतदान के दिन रहेगा सार्वजनिक अवकाश जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में नगर निकाय सामान्य निर्वाचन का मतदान 4 मई को होगा। मतदान दिवस पर राज्यपाल महोदया द्वारा सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मोली, मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी नारायण व अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

जवाबी कव्वाली सुनकर झूम उठे दर्शक

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। पहलीपुरवा में स्थिति हजरत युसुफ शाह के आस्ताने उर्स के दूसरे दिन सदाकत अली मुंबई, नेहा नाज फैजाबाद द्वारा शानदार मुकाबला हुआ देखने को मिला अवगत हो कि दरगाह शरीफ के गद्दीनशीन अकबर हुसैन की निगरानी में हो जवाबी कव्वाली का अयोजन किया गया। बुधवार की रात्रि में कौवाली का शानदार प्रोग्राम हुआ,सदाकत अली कौवाल मुंबई ने पढ़ा–'छिपा के दिल में एक राज रखता हूं,अपने उस्ताद की जिंदा आवाज रखता हूं,जो भी जलता है मुझे देखकर तो जलने दो कसम अल्लाह की मैं हुसैनी मिजाज रखता हूं,वहीं फैजाबाद की कौवाल नेहा नाज ने जबाब में पढ़ा–दरबारे चिश्तिया की तरफ जब वो नजर गई, महसूस ये हुआ मेरी हस्ती संवर गई। आंखों को नहीं चाहिए अब कोई नजारा, तस्वीर मेरे ख्वाजा की दिल में उतर गई'। जिसे सुनकर पंडाल में बैठे जायरीन झूम उठे। कौवालों के अच्छे कलाम सुनकर जायरीनों ने भी रुपयों से मेहमान नवाजी करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। हजारों की संख्या में आये बूढ़े, जवान व बच्चों में भारी उत्साह दिखा। कौवाली स्थल व दरगाह के आस –पास मिठाई, गट्टा, खिलौने की दुकान सजी हुई थी, जो किसी मेले से कम नहीं दिख रहा था।लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया,इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख तरबगंज मनोज पाण्डेय मोनु मिश्रा गुड्डू तिवारी अध्यक्ष अकबर अली खदिम, सचिव प्रबंधक डा इंद्रजीत शर्मा दुर्गेश जायसवाल चेयरमैन, राहुल सिंह संरक्षक विशाल पहलाद पाठक प्रधान ,दानिश हुसैन ,रहमान अली, नीलम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गंगा समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार, की उपस्थिति में जिला गंगा समिति जिला वृक्षारोपण समिति व जिला पर्यावरण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर चंदेश्वर सिंह ने जिलाधिकारी को समिति की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आगामी जिला गंगा समिति के समस्त सदस्यों को गंगा एवं प्रत्येक सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रभावी कार्रवाही करने पर बल दिया गया है। प्रभागीय निदेशक ने राज्य स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा विकसित जीडीपीएमएस की साइट पर प्रत्येक माह जिला गंगा समिति की बैठक आयोजित करा कर नियमित रूप से बैठक की कार्यवृत्त, फोटोग्राफ्स का अन्य जानकारियां अपलोड कराने हेतु अनुरोध किया। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने डी.एफ.ओ. को निर्देश दिया कि समस्त विभागो को पत्र लिखकर उन्हें प्राप्त लक्ष्य के बारे में अवगत कराये। प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपड़ कराना सुनिश्चित करे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जयेद्र कुमार मुख्य विकास अधिकारी ने जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा करते हुए बैठक में उपस्थित उप मुख्यचिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि उक्त संबंध में प्रभावी कार्यवाही कर सूचना 3 दिन में उपलब्ध कराएं। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्राम पंचायतों में बन रहे आरसीसी सेंटर के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट अविलंब उपलब्ध कराने हेतु निर्देश दिया। सभी अधिशासी अधिकारियो नगर पालिका और नगर पंचायत को निर्देशित किया कि जनपद मे बनाए जाने वाले एमआरएफ मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर एसटीपी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का स्थल चयन कर प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराएं। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड के निर्देश क्रम में निर्देशित किया कि आगामी 25 मार्च 2023 को अर्थ आवर के दौरान जनमानस को जागरूक करें कि रात्रि में 8:30 से 9:30 बजे तक अपने घरों की आवश्यक लाइट ही जलाई जाए। उक्त अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सिद्वार्थ, जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह, परियोजना निदेशक नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डी आई ओ एस अवधेश नारायण मौर्य, जिला कृषि अधिकारी सी0पी0सिंह, जिला वेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी व समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

इंटरमीडिएट की परीक्षा में छात्र–छात्राओं का बेहतर परिणाम

बर्डपुर स्थित बुद्ध विद्यापीठ इंटरमीडिएट कालेज में इंटरमीडिएट व हाईस्कूल उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को माला पहनाकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना देते प्रधानाचार्य मनोज मिश्र व अन्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बुद्ध विद्यापीठ इंटर कालेज बर्डपुर में यूपी बोर्ड परीक्षा इंटरमीडिएट में 80 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने मान बढ़ाया है। प्रधानाचार्य मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि इंटरमीडिएट की छात्रा सफिया सदफ 90 प्रतिशत, शहजाद खान 86.6, फैशल जमाल 84.4, कुसुम विश्वकर्मा 84.4, दीपक गिरी 84.4, आसिफ हुसैन 83.6, महिमा चौधरी 82.8, बलवीर सिंह 81.2, सोनू मद्देशिया 80, अफरोज आलम 80 प्रतिशत, वही हाईस्कूल में शिवांगी कुमारी 84.33, दीपांशी 80.66 फीसदी अंक प्राप्त की है। गुरुवार को विद्यालय प्रांगण में प्रधानाचार्य मनोज मिश्र ने सभी उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं माला पहनाकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर रवीन्द्र कुमार उपाध्याय, रामपुकार यादव, शिवकरन, विजय बहादुर वर्मा,डा.यशवंत कुमार ,जीतेन्द्र वर्मा,नारायण मिश्र, रणवीर सिंह, पूर्णेश्वर मिश्र, वीरेन्द्र कुमार, रूपेश कुमार, नीरज सिंह, मोती कुमार, नरेंद्र कुमार, राजेश कुमार शुक्ल,शिल्पी आदि उपस्थित रहे।

फूलों की खेती कर लाखों कमा रहे है:देवेंद्र त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जहां योगी मोदी प्रदेश और केंद्र सरकार में योजनाओं को जोड़कर युवाओं को नए रोजगार अपनाने के लिए अपील कर रहे हैं तो वही जनपद सिद्धार्थनगर के युवा देवेंद्र त्रिपाठी मोदी जी की योजनाओं से प्रभावित होकर लाख रुपए प्रति वर्ष फूलों की खेती से कमाने लगे हैं आपको बता दें कि जिला मुख्यालय के निकट ग्राम सभा कटया के निवासी देवेंद्र त्रिपाठी मूलतः पेशे से नल ,बोरिंग के अच्छे मैकेनिक हैं और लगभग 15 वर्षों से लगातार यह करते नजर आ रहे हैं लेकिन योगी मोदी के द्वारा रोजगार के जागरूकता अभियान की शुरुआत से प्रभावित होकर देवेंद्र त्रिपाठी ने अपने गांव कटया में ही 02 बीघे में गेंदे के फूलों की खेती कर इस समय लाखों रुपए कमा रहे हैं इनके साथ कई मजदूरों को भी रोजगार प्राप्त हुआ है इस विषय में जब देवेंद्र त्रिपाठी से बात करते हैं तो वह कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि नल और बोरिंग का काम करते हुए पैसों की कमी होती थी दिक्कत इतनी थी कि धीरे–धीरे सारे काम मशीनों से होने लगे हैं और जो पैसा पहले मिलता था वह पैसा भी नहीं मिलता है मशीनों ने काम आसान कर दिया है लोग मशीनों से ही काम करवाते हैं जिसको देखकर मोदी और योगी के द्वारा रोजगार की बातें सुनकर मैंने अपने ही गांव में अपने ही खेत से फूलों की खेती करना प्रारंभ किया है विगत 1 वर्षों में फूलों की खेती से लगभग 5 लाख से ज्यादा की आमदनी हो गई है अब मैं इस खेती को और बढ़ाना चाहता हूं साथ ही सरकारी योजनाओं के द्वारा भी अगर मेरा कोई सहायता हो सकता है तो मैं भी उसे भी अपना लूंगा बेरोजगार व्यक्तियों से अपील करूंगा कि अपना रोजगार करिए और घर बैठे लाखों कमाइए पहले के लोग रोजगार करते थे और आराम से परिवार का पालन करते थे लेकिन अब लोग अपना रोजगार करने में शर्म करते हैं इस शर्म को छोड़कर परिवार के साथ रोजगार अपनाने की जरूरत है देवेंद्र त्रिपाठी के घर उनकी पत्नी दो बच्चे और एक नई बहु भी है जो सुबह ही उन्हें नाश्ता दे देती है और दोपहर में भी खाने की व्यवस्था समय से हो जाती है सुविधाएं परिवार की तरफ से जब देवेंद्र त्रिपाठी को मिलता है तो वह अपना सारा ध्यान अपने फूलों की खेती में ही करते हैं जिसके लिए उन्होंने बोरी,पंपसेट आदि की व्यवस्था भी कर ली है जल्दी इस खेती को बड़े पैमाने पर करने की योजना भी बना रहे हैं। जिसमे उनके बडें लडके सौरभ त्रिपाठी भी सहयोग मे पुरा हाथ बटाते है।

सदर नगर पालिका की राजनीत गरमाई, समीकरण बिगडेद्द

राजेश शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर में जहां 6 प्रत्याशियों में जमकर कांटे की टक्कर हो रही थी वही जमील सिद्धकी एवं जफर के पर्चा वापसी के बाद सदर नगर पालिका की राजनीति डगमगा गई है। हर कोई नया तिकड़म अपनाने में लग चुका है जमील सिद्दीकी के समर्थक कहां जाते हैं यह आने वाला समय बताएगा लेकिन यह निश्चित है कि सपा ने अपनी जीती हुई सीट संकट मे डाल दी है यह चर्चा लोगों की जुबान पर चल रहा है अब भाजपा बसपा में मुख्य कांटे की टक्कर लगी हुई है हो सकता है पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्याम बिहारी जयसवाल मैदान मार ले यदि वे पुराने नौगढ़ के वोटरों को अपने पक्ष में रखने में कामयाब होते हैं तो चुनाव उनके भी फेवर में जा सकता है वहीं युवा चेहरे के रूप में सबकी जुबान पर आने वाले राजू सिंह भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विस्तारित क्षेत्र में अपना प्रभाव जमा पाते हैं और सभी ठाकुर एकजुट हो जाते हैं तो वह भी चुनाव जीतने में सफल हो सकते हैं जहां तक बसपा और भाजपा की बात है दोनों ही प्रत्याशी अपने मजबूत वोट बैंक के बल पर चुनाव लड़ रहे हैं इस बार जहां बसपा काफी मजबूत नजर आ रही है ब्राह्मण प्रत्याशी होने के नाते सफलता प्राप्त होने की प्रतिशत बढ़ती नजर आ रही है भाजपा प्रत्याशी की बात की जाए तो नया चेहरा होने के नाते मेहनत दुगने रफ्तार से करना होगा और लोगों को विश्वास दिलाना होगा कि मैं एक अच्छे नेता के तौर पर आपका साथ दूंगा जहां तक नगर पालिका के वोटरों की बात है वह व्यक्तिगत रूप से लोगों को पसंद कर रहा है देखना है कि आने वाला समय में क्या होता है लेकिन मैदान से हट जाने से कई तिगड़म प्रत्याशियों के फेल होते नजर आए हैं मुस्लिम कैंडिडेट किस तरफ जाते हैं यह उन पर निर्भर करता है हार जीत में बड़ा अंतर इनके द्वारा ही तय होगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने बाढ़ को लेकर कटान स्थल का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ने ड्रेनेज

खण्ड, सिद्धार्थनगर द्वारा कूडा–धोधी नदी के बाये तट पर स्थित ग्राम–महुआ एवं ग्राम–मस्जिदिया कटान स्थल पर कराये जा रहे बाढ़ निरोधक कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय आर0के0नेहरा अधिशासी अभियन्ता, ड्रेनेज खण्ड एवं सहायक अभियन्ता, ड्रेनेज खण्ड तथा अवर अभियन्ता, ड्रेनेज खण्ड उपस्थित रहे। कूड़ा नदी के बांये तट पर स्थित कूड़ा–धोंधी तटबन्ध के किमी0 18.700 से 19.200 के मध्य ग्राम–महुआ के समीप पूर्व निर्मित स्पर 04 अदद तथा कूड़ा नदी के बांये तक पर स्थित कूड़ा–धोधी तटबन्ध के किमी0 20.300 से 20.700 के मध्य ग्राम मस्जिदिया के समीप पुर्नस्थापना एवं सुरक्षात्मक कार्य कराया जा रहा है। अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि 15 जून, 2023 तक प्रत्येक दशा में निर्माण कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

जमील सिद्दीकी ने लिया पर्चा वापस सोशल मीडिया पर भावुक अपील

राजेश शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नगर पालिका परिषद जनपद सिद्धार्थनगर के

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जमील सिद्धकी ने गुरुवार को सभी बातों के अटकलो पर रोक लगाते हुए सपा से अपना पर्चा वापस ले लिया पर्चा वापस लेने पर उनके समर्थकों में मायूसी छा गई आपको बता दें कि नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष जमील सिद्धकी को लोग काफी पसंद करते हैं साथ ही उनके कार्यों को लगातार याद करते हैं विस्तारित से जुड़ने से जहान प्रत्याशियों को डर समाया हुआ था वही जमील सिद्धकी के समर्थक विस्तारित क्षेत्र में भी काफी संख्या में थे सपा पार्टी से नामांकन दाखिल का सबसे बड़े प्रतिद्वंदी के रूप में मैदान में आ चुके थे। हर कोई जमील सिद्दीकी से सीधी लड़ाई की बातें करता था लेकिन पार्टी ने टिकट को लेकर फैसला करते हुए टिकट रामसेवक लोधी को दे दिया जिस नाते जमील सिद्धकी को पर्चा वापस करना पड़ा गुरुवार को जमील सिद्दीकी पुर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे की उपस्थिति में अपना पर्चा वापस ले लिया साथ ही बड़े भावुक रूप से लोगों से और अपने समर्थकों से क्षमा भी मांगी जमील सिद्धकी ने अपने अपील में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे के निर्देश पर मैंने पर्चा वापस लिया है मैं अपने समर्थकों शुभचिंतकों से क्षमा मांगता हूं मैं उनकी बातों में खरा नहीं उतर सका मौका मिलेगा मैं सब की सहायता के लिए तैयार रहूंगा जब भी पार्टी मुझे मौका देगी मैं प्रत्याशी के रूप में चुनाव लडूगा।

पंचायत सहायक जितेंद्र यादव ने किया रक्तदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सदर विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत दुर्जनपुर के पंचायत सहायक जितेंद्र प्रताप यादव के द्वारा एक जरूरतमंद बालिका को रक्तदान किया गया। बर्डपुर नंबर 14, टोला झंडे नगर निवासी सुष्मिता पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। बताते चले कि सुष्मिता के शरीर में रक्त की कमी हो गई थी। जोकि एक स्वस्थ शरीर के लिए प्रयाप्त नहीं था। रक्त की आवश्यकता के लिए गरीब परिवार बहुत परेशान था। 50 साल के पुत्र प्रताप यादव के अनुसार हमारे मित्र पियूष मौर्या की छोटी बहन का तबीयत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रहा था। फोन पर वार्ता के दौरान मित्र से जानकारी मिली की उनके बहन को रक्त की आवश्यकता है। जानकारी मिलते ही अस्पताल जाकर हमने रक्तदान किया। समाज हित के लिए रक्तदान करना अति आवश्यक है। रक्तदान करने से शरीर स्वस्थ होता है हर मनुष्य को रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान करने से किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। ऐसे में हमें किसी असहाय, जरूरतमंद के लिए रक्तदान करना चाहिए। उक्त समय पर पंचायत सहायक चांदनी त्रिपाठी, शिवा वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

भागवत कथा मोक्ष प्राप्ति का साधन–इंद्रलाल जी महाराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। मनुष्य के जीवन मे प्राणि मात्र के लिए जल, हवा, अथवा भोजन की अति आवश्यकता होती है। उसी तरह सरल जीवन जीने के लिए भगवत भजन जरूरी होता है। सही मायने में श्रीमद भागवत कथा जीवन मोक्ष का साधन है। उक्त बातें उसका विकास खंड़ के ग्राम चित्तापुर मे हो रहे नौ दिवसीय श्रीमद् भगवत कथा मे कथा वाचक इंद्रलाल जी महाराज ने कहा। भगवत कथा मे महाराज जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत ग्रंथ प्रेमाश्रुसक्ति नेत्र, गदगद कंठ, द्रवित चित्त एवं भाव समाधि निग्मन परम रसज्ञ श्री सुकदेव जी के मुख से उदघृत हुआ। सम्पूर्ण सिद्धांतो का निष्कर्ष यह ग्रंथ जन्म व मृत्यु के भय को नाश कर देता है। भक्ति के प्रवाह को बढ़ाता है । भगवान श्री कृष्ण के प्रसन्नता का प्रधान साधन है। मन की शुद्धी के लिए श्रीमद् भागवत कथा से बढ कर और कोई साधन नही है। श्रीमद् भागवत कथा देवताओं को भी दुर्लभ है। ब्रह्मा जी ने सत्यलोक मे तराजू बाध कर जब व्रत, यज्ञ, ध्यान, तप, मूर्तिपूजा आदि साधनों को तौला तो सभी साधन तौल मे हल्के पड़ गये। अपने महत्व के कारण भागवत कथा ही सब पर भारी रहा। उन्होने बताया अपनी लीला समाप्त करके जब भगवान निज धाम को जाने के लिए उद्बत हुए तो सभी भक्तगणो ने प्रार्थना किया कि हम आप के बिना कैसे रहेगें। तब भगवान ने कहा कि वे श्रीमद् भागवत कथा में समाए है। यह ग्रंथ सास्वत उन्ही का स्वरूप है। पठन पाठन व श्रवण से तत्काल मोक्ष देने वाले इस महाग्रंथ से सप्ताह विधि से श्रवण करने पर निश्चय ही भक्ति प्रदान करता है।

सम्पादकीय

यहां चोर बने चौकीदार

है। जैसे पार साल आपने कहा था, 'घर–घर रोजगार, अब नहीं रहेगा कोई बेकाम, बेरोजगार।' मजे की बात के इस वचन का उद्घोष उन बेकारों की भीड़ ने ही किया था, जो ठेके पर नारा लगाने का रोजगार पा कर आये थे। अब उसी रोजगार के बंटने के दिन फिर आ गए। फिर दिहाडियों पर लगिये और विजय घोष कीजिये। महाकवि तो ...

जमाना चोरों के चौकीदार बन जाने का है। बेवफाओं के वफादार घोषित हो जाने का है। जिन लोगों ने दिन–दहाड़े आपके सपने चुरा कर उन्हें दुरूस्वप्न बना दिया, वही अब सपनों का एक नया बायक्सोप बना कर निकले हैं, आपके गांव–गांव, गली–गली, अन्धभक्ति का कोई श्रद्धा गीत गाते हुए। मंशा अपने वोटों की सहायता से महानुभावों को फिर उसी कुर्सी पर बिठा देने की है, जो कभी पहले सिंहासन थी, आजकल जनसेवा का स्टूल कहलाती है। हमारी गलियों में जब बिजली कट अपनी तेजी दिखाते हैं, पावर कट अपना जुल्म दिखाते हैं, तो अपनी विजय घोषणाओं में सेंध लगती देख कर चौकीदार बने चोर अब 'जागते रहो' चिल्लाते हैं। भई, दलबदलुओं का जमाना है, कब कोई सेंधमार स्वांग बदल कर साधुवेष धारण कर आपको श्रद्धा से विनत होने के लिए कह दे कि बोलो भक्तो, ऊंचे स्वर में चिल्लाओ, 'जय–जय'।

अगर कोई हमसे पूछने के लिए चला आये, यह किसकी जय–जय है, तो कह दो, तम्हारी भी जय–जय और हमारी भी जय–जय। न पूछना किसी से कि जब आपके थर्मल प्लांटों के पुर्जे चार माह पहले बिगड़ गये थे, तो उसकी मरम्मत की ओर तब ध्यान क्यों नहीं दिया गया? 'दिया है, दिया है, बन्धु। मरम्मत के लिए स्वीकृति फाईल पर हाजिर है। बस अभी उसे निपटाने की बारी नहीं आई थी, कि यह कम्बख्त मानसून धोखा दे गया। भला यह कह के आदाब हैं कि जब आपको बरसना हो, तब तो बरसे नहीं, और अब बेमौसम बरसात करके जलथल पैदा कर दो।' इससे वही बात हुई न, पिछली बार अपने चुनाव एजेंडे में हमारी अभागी धरती स्वर्ग लोक का वायदा किया था, फिर इसी स्थगित मानसून की तरह हमारी गलियों का रास्ता ही भूल गया। और अब जब चुनाव दुंदुभि बजे तो स्थगित मानसून के याद कर लेने की तरह हमारी गलियों में महानुभाव प्रगट हो गये, लो हमारे आंकड़े देख लो कि हमने तो अपने एजेंडे के पचासी प्रतिशत वायदे पूरे कर दिये। शेष पावर कट भगाने वाली इस लेट–लतीफी बारिश की वजह से रुके, अभी दूर कर देंगे। हमने सुना और प्रशंसा में तालियां बजा दीं, कैसे कह देते कि जनाब इस रास्ता भूली बारिश से कुछ नहीं होगा, जब तक कि इन लगातार बिगड़ते हुए थर्मल प्लांटों की स्थाई मरम्मत नहीं होती। उनको जुर्माना लगाने से क्या होगा, क्योंकि उससे अधिक बड़ा जुर्माना तो उद्योगों को इस लम्बी–चौड़ी पावर कट से लगा गया। उनका लाभ घाटे में बदल गया, तो निठ्ठला हो सडक पर कामगार आया। नहीं, नहीं हमें सडक छाप लोगों की बड़ी फिक्र है। आपके वोट डालने की तिथि से पहले सब वायदे पूरे हो जाएंगे। कसम आपके कल्याण की। बेशक भाषण में वायदों के पूरे होने की यह घोषणा बड़ी अच्छी लगती है। जैसे पार साल आपने कहा था, 'घर–घर रोजगार, अब नहीं रहेगा कोई बेकाम, बेरोजगार।' मजे की बात के इस वचन का उद्घोष उन बेकारों की भीड़ ने ही किया था, जो ठेके पर नारा लगाने का रोजगार पा कर आये थे। अब उसी रोजगार के बंटने के दिन फिर आ गए। फिर दिहाडियों पर लगिये और विजय घोष कीजिये। महाकवि तो ठेले पर हिमालय लाद कर लाये थे, आपने तो ठेकों पर वायदों की पूर्ति की घोषणाएं लाद दीं, जय परिवर्तन के महाप्रभु। बन्धु, ठेके की इस कसौटी पर दम घोंटू महंगाई का दाहकर्म कर देने का विजयघोष रखा जा सकता है। सिर्फ पैट्रोल और डीजल की आकाश उछलती कीमतों की ओर न देखना। पहले तो क्रिकेट में ही खिलाडियों के शतक लगाने की घोषणाओं पर तालियां बजती थीं, अब तो ये पैट्रोल उत्पाद भी राज्य दर राज्य शतक लगाने लगे। उज्ज्वल योजना और गैस क्रांति की बात भी अभी भूल जाओ। अब तो ये सिलेंडर भी आपके ड्राइंग रूम की शोभा बढ़ाएंगे, कि होते थे कभी सस्ते गैस सिलेंडर। अब तो देश उपला क्रांति को अपनाते हुए अपनी जड़ों की ओर लौट गया है, अपने स्वर्णिम अतीत की लोक संस्कृति का ध्वजवाहक बन गया है।

देवताओं को मंदिरों से निकालकर मनुष्य की आत्मा में प्रवेश कराया

भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग है। हिन्दी कविता की धारा आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल से होती हुई, समकालीन कविता की धारा में प्रवाहमान है। कहते हैं कि भक्तिकालीन कविता मंदिरों और मठों तक ही सीमित रह गया और रीतिकालीन कविता ने मंदिरों और मठों की चौहद्दी को लांघा। ऐसा नहीं है। भक्तिकालीन कवियों ने अपने अपने आराध्यों को मंदिरों से निकाल कर सामान्य मनुष्यों के हृदय तक पहुंचाया। भक्तिकाल के कवि कबीर ने अभियान चलाकर वर्णाश्रम धर्म को चुनौती दी और कर्मकांडों का मजाक उड़ाया। मलिक मुहम्मद जायसी ने भी कविताई को नए सांचें में ढाला। महाकवि सूरदास ने श्रीनाथ जी के मंदिर से भक्ति की धारा को ब्रज बोली में लोकप्रिय किया। जबकि गोस्वामी तुलसीदास जी ने अवधी बोली में श्रीरामचरित मानस की रचना की। इन भक्तिकालीन कवियों ने बोली के महत्त्व को समझा और बोली में ही आराध्यों की पूजा अर्चना शुरू की। संस्कृत भाषा की टक्कर पहली बार बोलियों से होती है। बोलियों के कवि संस्कृत भाषा के मर्मज्ञों को चुनौती पेश करते हैं। तब संस्कृत लाचार होकर हिन्दी की बोलियों के समक्ष घुटने टेक देती है। इसका कारण बड़ी संख्या में किसानों और मजदूरों का चेतना समपन्न हो जाना है। इसलिए बोलियों के कवियों की सबसे बड़ी उपलब्धि देवी देवताओं के स्वरूपों को आम बोलचाल की भाषा में ढालना है। भारतीय इतिहास में बोलियों का इतना बड़ा और ऐतिहासिक आंदोलन कहीं नहीं मिलता है। बोलियों के द्वारा साहित्य की दुनिया के इतिहास में स्थान बनाने के लिए गोस्वामी तुलसीदास जी सदैव याद किए जाएंगे। आज भी भले ही अंग्रेजी ने हिन्दी को जबर्दस्त चुनौती पेश की हो किंतु हिन्दी में अवधी बोली का श्रीरामचरित मानस अप्रतिम है। मानस का सबसे बड़ा काम यह है कि वह भगवान श्रीराम की महिमा का बखान इतने विविध रूपों में करता है कि यह जान पड़ता है कि प्रभु श्रीराम हमारे आस पास ही विचरण कर रहे हैं। यहीं यह साहित्यिक ग्रंथ धर्म शास्त्र में रूपांतरित हो जाता है। तब इसे हम धारण करने लगते हैं और शास्त्र भी यही कहते हैं कि धारयति इति धर्मः। अर्थात जिसे हम धारण कर सकते हों वही धर्म है। आज श्रीरामचरित मानस लगभग प्रत्येक घरों में धारण किया जा चुका है, यह लोक जीवन की आस्था और विश्वास का काव्य है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

लोकतंत्र में बारूद की गंध

लेकिन क्या इसके लिए नक्सलवाद पनपने के कारणों पर गौर कर उन्हें दूर करने का प्रयास केंद्र सरकार करेगी। क्योंकि देश में जब तक आर्थिक गैरबराबरी रहेगी। जल, जंगल, जमीन पर आदिवासियों के हक छीनकर उन पर चंद उद्योगपतियों को दौलत के महल खड़े करने की नीतियां सरकार बनाती रहेगी, तब तक नक्सलवाद के पनपने की गुंजाइश बनी रहेगी। मौजूदा आर्थिक हालात इस बात ...

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके दंतेवाड़ा में एक बार फिर बड़ा नक्सली हमला हुआ है। निशाने पर एक बार फिर सुरक्षा बलों के जवान आए हैं। बुधवार को माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन से लौट रहे डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों के वाहन पर यह हमला हुआ। संदिग्ध माओवादियों ने अरनपुर मार्ग पर आईईडी विस्फोट किया, जिसमें सुरक्षाबलों के 10 जवान और एक वाहन चालक की मौत हो गई है। बस्तर के आईजी सुंदरराज पी के मुताबिक दंतेवाड़ा जिले के थाना अरनपुर क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिलने के बाद दंतेवाड़ा डीआईजी ने एक अभियान संचालित किया था। इस अभियान के बाद जब डीआरजी जवान जिला मुख्यालय वापस लौट रहे थे, तब यह घातक हमला किया गया। छत्तीसगढ़ में लगभग दो साल बाद ऐसा बड़ा हमला हुआ है। इससे पहले 4 अप्रैल 2021 को बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर नक्सली हमले में 22 जवान शहीद हुए थे। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का रक्तपात पहली बार नहीं हुआ। दशकों से यह समस्या इस वनाच्छादित और प्राकृतिक संपदा की धनी धरती को जकड़े हुए है और इसके समाधान का कोई ओर–छोर नजर नहीं आ रहा। राजनैतिक दलों के लिए नक्सल समस्या वोट बटोरने या सहानुभूति हासिल करने का जरिया बन गई है। छत्तीसगढ़ बनने से पहले जब अविभाजित मध्यप्रदेश था, नक्सल समस्या तब भी थी और राज्य बनने के साथ यह विरासत में छत्तीसगढ़ को मिली। इस राज्य में पहले कांग्रेस फिर भाजपा और अब फिर से कांग्रेस का शासन है। दोनों ही दलों ने नक्सलियों के कहर से मुक्ति के अनेक वादे जनता से किए हैं, लेकिन दोनों के शासनकाल में नक्सली अविचारित हिंसा से निर्दोषों की जान लेते रहे हैं। इन हमलों में एक की जान जाए या दस की, आम नागरिकों की हत्या हो या सुरक्षा बलों के जवानों की, बहता तो इंसान का खून ही है। हरेक हमले के बाद सरकार के उच्च पदों पर बैठे लोग कुछ प्रतिक्रियाएं देते हैं, जिनमें तारीखों के अलावा और कुछ नहीं बदलता। इस बार के हमले के बाद राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि शहीदों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। नक्सलियों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं देश के केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस हमले की जानकारी मुख्यमंत्री से ली उन्हें आश्वासन दिया है कि केंद्र की ओर से उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। वहीं बीबीसी के मुताबिक छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू का कहना है कि ये कहना उचित नहीं होगा कि लगातार हमले हो रहे हैं, नक्सली हमले को हम हमेशा नाकाम करते रहे हैं और उन्हें खदेड़ने में कामयाब हुए हैं। बीच–बीच में एकाध घटनाएं होती हैं, जो उनकी उपस्थिति दर्शाने के लिए दिख जाता है। यह सही है कि दो सालों के अंतराल पर ऐसा बड़ा हमला हुआ है, लेकिन यह केवल नक्सलियों की उपस्थिति दर्शाने की बात नहीं है, बल्कि सीधे–सीधे सत्ता को चुनौती है और इसमें सुरक्षा जवानों को शिकार बनाया गया है। इस हमले के पीछे किसका दोष है, किसकी चूक है, कौन जिम्मेदार है, इसका पता तो पूरी जांच के बाद ही पता चलेगा। लेकिन खबर के अनुसार माओवादी ऑपरेशन के बाद थके हुए जवान, बारिश के दौरान निजी वाहन में सवार हुए और माओवादियों को इसकी खबर मिल गई। बताया जा रहा है कि बस्तर में माओवादियों के खिलाफ चलाए जाने वाले ऑपरेशन में जवानों को निजी वाहनों में आने–जाने को लेकर कई बार सचेत किया गया है और उन्हें इस तरह आने–जाने की मनाही है। फिर भी ये जवान किस तरह निजी वाहन में सवार हुए और नक्सलियों तक इसकी खबर कैसे पहुंची, यह बड़ा सवाल है। नक्सलियों ने इस बार डीआरजी जवानों को निशाने पर लिया है। गौरतलब है कि 2008 में नक्सलियों को कमजोर करने के लिए डीआरजी का गठन किया गया था और बीते बरसों में नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने के लिए डीआरजी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सबसे पहले कांकेर और नारायणपुर में डीआरजी को तैनात किया गया था। इसके बाद 2013 में बीजापुर और बस्तर फिर 2014 में सुकमा और कोंडागांव और फिर 2015 में दंतेवाड़ा में डीआरजी को तैनात किया गया। कई पूर्व नक्सली नेता अब छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ डीआरजी में काम कर रहे हैं। तो सवाल ये भी है कि क्या डीआरजी के दस्ते पर किसी खास रणनीति के तहत नक्सलियों ने हमला किया। नक्सलियों का यह घातक हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब राज्य में अगले कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं और आदिवासियों के गढ़ में विकास का मुद्दा भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के लिए अहम है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पिछले साल एक कार्यक्रम में कहा था कि नक्सलवाद पनपने का सबसे मुख्य कारण था ग्रामीणों का सरकार पर से विश्वास खत्म होना। उन्होंने बताया था कि उनकी सरकार ने ग्रामीणों के जल जंगल जमीन के हक पर ध्यान केन्द्रित किया है। वन अधिकार पट्टा, वन संसाधन मान्यता प्राप्त, तेंदूपत्ता बोनस, धान समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी जैसी कई योजनाओं से ग्रामीणों को उनका हक दिलाने का प्रयास किया है, ताकि सरकार पर उनका विश्वास कायम हो। छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार विश्वास, सुरक्षा और विकास की नीति से नक्सलवाद का सामना करने की बात कहती रही है। अब इस हमले के बाद सरकार को ईमानदारी से इस बात की समीक्षा करना चाहिए कि इस नीति में कहां, कौन सी कमी रह गई है। वहीं भाजपा को भी इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहिए। इस साल जनवरी में कोरबा में एक जनसभा में अमित शाह ने दावा किया था कि केंद्र सरकार के प्रयासों से राज्य में नक्सल घटनाओं में कमी आई है। और उनका प्रयास है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाए। अगर ऐसा होता है, तो इससे खुशी की बात हो ही नहीं सकती।

{ कुछ बूढ़ी औरतें आगे आईं और बोलीं, हम मन की बातश तो सुनती हैं, लेकिन धन ?यवाद कैसे करें यह हमें नहीं पता। मैडम, अगर आप उनसे मिलें या उन्हें लिखें, तो कृपया उन्हें हमारी तरफ से यह बताएं कि इस देश की आपकी बहनें आपका धन्यवाद करना चाहती हैं। उनके आंसुओं ने यह दर्शाया कि वे किस कदर आभार व्यक्त करना चाहती थीं। मैंने उनसे कहा था कि कभी, कहीं, किसी तरह यह कर दूंगी... }

नारी शक्ति राष्ट्र की शक्ति

सुधा मूर्ति

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता...

यह श्लोक हजारों वर्ष पहले हमारे भारत में उस समय लिखा गया था जब हमारे पूर्वज नारी की शक्ति से अच्छी तरह परिचित थे। श्महिलाच्य से आशय सिर्फ स्त्री लिंग नहीं है, बल्कि इसका अर्थ इससे भी कहीं आगे है। महिलाएं समाज का आधा हिस्सा हैं और वे परिवार की रीढ़ होती हैं। जहां महिलाओं का सम्मान होता है और उन्हें सही दर्जा मिलता है, वहां देवता निवास करते हैं। लेकिन हजारों वर्ष पहले के दिनों के उलट, सदियों से विभिन्न कारणों से हमारी महिलाओं को घरों के भीतर रखा गया।

प्राचीन भारत में, महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर माना जाता था और उन्हें बौद्धिक बहसों, प्रशासन, संपत्ति उत्तराधिकार, विद्वतापूर्ण ज्ञान आदि के मामले में मौके दिए जाते थे। बाद में महिलाओं को शिक्षा, सामाजिक स्थिति और काफी हद तक उनके अस्तित्व से वंचित कर दिया गया। उनकी पहचान केवल एक बेटी के रूप में, एक पत्नी के रूप में या एक मां के रूप में ही सिमट गई और उन्हें समानता एवं साहस के गौरव से वंचित हो जाना पड़ा।

मुझे लगता है कि महिलाएं पेड़ से बंधी मादा हाथी की तरह होती हैं। एक मादा हाथी के लिए एक पेड़ को उखाड़ देना कोई बड़ी बात नहीं है, और वह उसे आसानी से खींच सकती है। लेकिन मादा हाथी सोचती है कि वह जंजीर से बंधी है और इसलिए वह अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करती है। महिलाओं के मामले में भी कुछ ऐसा ही है। वे कुशल प्रबंधक होती हैं, परिवार की नींव होती हैं, बेहद मेहनती होती हैंय लेकिन वे इस मानसिकता में जकड़ी होती हैं कि वे अपनी शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकतीं या अपनी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर सकतीं।

इस तरह से सोचना संभव है क्योंकि किसी भी हलचल या लहर को प्रेरित करने के लिए एक प्रस्थान बिंदु की जरूरत होती है। यह बिंदु मिलेगा कैसे? कौन उनकी मदद करेगा? कौन उन्हें विश्वास दिलाएगा? कौन उनकी मदद करने के लिए नीति प्रदान करेगा या कौन पहली बार उसकी क्षमता को सामने लाएगा? धुएं से भरे रसोईघर से उसका बाहर आना कौन स्वीकार करेगा? एक नया उद्यम शुरू करने की इच्छा जताने पर कौन उसकी मदद करेगा? कौन खेल, स्वास्थ्य, रक्षा और विमानन के क्षेत्र में उसकी क्षमता की सराहना करेगा?

एकबारगी यह सब हो जाए, तो वह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भरपूर क्षमता के साथ खुद को आगे बढ़ाएगी। उनके जीवन में इस तरह का अदभुत बदलाव एक ऐसे सही नेता की वजह से संभव हुआ है, जिन्होंने महिलाओं की स्थिति को लेकर बात की और लोगों को इस बात के लिए जागरूक किया कि बेटियां ईश्वर का अनमोल उपहार हैं। उक्त नेता ने इस देश के सभी आम पुरुषों व महिलाओं के साथ अच्छे जीवंत और वास्तविक उदाहरणों के साथ एक कार्यक्रम के माध्यम से बातचीत शुरू की। उन्होंने सही शब्दों के साथ सही वादा किया और सही दिशा में आगे बढ़े। चाहे वह श्बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओच का मामला हो या श्प्रधानमंत्री मुद्रा योजनाच्य, श्उज्ज्वला योजनाच्य, श्स्वच्छ भारत मिशनच्य हो या फिर प्तसेल्फी विद डॉटर की बात हो।

किसने नारी शक्ति को प्रोत्साहित किया और महिलाओं को यह याद दिलाया कि देश के राष्ट्रीय धन के निर्माण में उनकी भी जिम्मेदारी है? इस नेता ने यह सब 2014 में शुरू हुए श्मन की बातच्य की विभिन्न कडियों के जरिए किया, जिसमें बच्चों में परीक्षा का डर, माता–पिता का दबाव, महिला सशक्तिकरण (नारी शक्ति) आदि जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दे शामिल थे।

वह नेता कोई और नहीं बल्कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

देश की जनता के साथ उनकी बातचीत के इस प्रसारित कार्यक्रम को श्मन की बातच्य के नाम से जाना जाता है। वह जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अलग–अलग लोगों के साथ, विभिन्न हितों के बारे में बात करते हैं और उन वास्तविक नायकों का पता लगाते हैं जो गुमनाम, अनसुने व अनदेखे हैं, लेकिन जिन्होंने महान कार्य किया है।

जब एक अच्छा नेता बिना किसी अतिशयोक्ति के लगातार बात करता है, तो लोग सुनते हैं और उसपर विश्वास करते हैं और फिर अनुसरण करते हैं। मोदी जो बोलते हैं और उनका जो आशय होता है, उसको लेकर पूरा देश उन पर अगाध भरोसा करता है। खासकर महिलाएं, जिन्हें उनकी बातों और परियोजनाओं से बहुत लाभ हुआ है। आज विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने बहुत कुछ हासिल किया है। जब महिलाएं असाधारण कार्य करती हैं, तो उनका नाम लिया जाता है और उनकी सराहना की जाती है और राष्ट्र उन्हें स्वीकार करता है। वे कई युवाओं के लिए आदर्श बन जाती हैं और इसीलिए लड़कियां बड़े सपने देख रही हैं क्योंकि उन्हें यह मालूम है कि नीतियां उनके पक्ष में हैं और उन सपनों को साकार किया जा सकता है।

कुछ महीने पहले, मैं अपने काम के सिलसिले में एक गांव में गई थी और वहां बच्चों के एक समूह के साथ बातचीत कर रही थी। हम आपस में अलग–अलग विषयों पर सवाल–जवाब कर रहे थे। बातचीत के अंत में, उस समूह की युवा लड़कियों से मेरा आखिरी सवाल यह था कि श्तुम बड़ी होकर क्या बनना चाहती हो?च चमक भरी आंखों वाली एक लड़की ने तुरंत कहा, मैं जोया अग्रवाल बनना चाहती हूं। मुझे उत्सुकता हुई और मैंने पूछा, क्यों। उसने कहा, आप टीवी नहीं देखतीं? आप अखबार नहीं पढ़तीं? जोया अग्रवाल संपूर्ण महिला पायलट टीम को उत्तरी ध्रुव के ऊपर से उड़ान भरती हुई 16,000 किलोमीटर की दूरी तय करके सन फ्रांसिस्को से बैंगलोर तक ले गईं। वह हमारे प्रधानमंत्री से मिलीं। मैं उनके जैसा बनना चाहती हूं।

एक दूसरी लड़की ने कहा, मैं ओलंपिक में भाग लेना चाहती हूं, क्योंकि मैं अन्य लड़कियों के लिए एक आदर्श बनूंगी और प्रधानमंत्री से सम्मान पाउंगी। तीसरी लड़की ने कहा, मैं एक महिला उद्यमी बनना चाहती हूं, क्योंकि पीएमएमवाई जैसी बड़ी परियोजनाएं उपलब्ध हैं जो मेरी मदद करेंगी। उनकी मां बाहर आईं और बोलीं, मैडम, मैं प्रधानमंत्री को एलपीदिलवाने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। इसने मेरी आंखों को धुएं से बचाया है और मेरे स्वास्थ्य को बेहतर किया है। एक अन्य महिला ने कहा, मैं अब शौचालय जाने में सुरक्षित महसूस करती हूं।

कुछ बूढ़ी औरतें आगे आईं और बोलीं, हम मन की बातच्य तो सुनती हैं, लेकिन ध न्?यवाद कैसे करें यह हमें नहीं पता। मैडम, अगर आप उनसे मिलें या उन्हें लिखें, तो कृपया उन्हें हमारी तरफ से यह बताएं कि इस देश की आपकी बहनें आपका धन्यवाद करना चाहती हैं। उनके आंसुओं ने यह दर्शाया कि वे किस कदर आभार व्यक्त करना चाहती थीं।

आंद्रीवा की पहली जीत, राडुकानू ने नाम वापिस लिया

मैड्रिड। रूस की 15 वर्षीय मिरा आंद्रीवा ने डब्ल्यूटीए टूर पर पहली जीत दर्ज करते हुए पूर्व अमेरिकी ओपन उपविजेता लैला फर्नांडिस को 6 . 3, 6 . 4 से हराकर मैड्रिड ओपन के अगले दौर में जगह बनाई। कोको गॉ और सिसि बेलिस के बाद डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट का मुख्य ड्रॉ का मैच जीतने वाली वह तीसरी सबसे युवा खिलाड़ी बन गई। इसके अलावा शीर्ष 50 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराने वाली 15 वर्ष की दूसरी खिलाड़ी भी बन गई।

अब उसका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त ब्राजील की बिया हदाद माइया से होगा। ब्रेंडा फ्रूवितोवा को अन्ना कालिंस्काया ने 2 . 6, 6 . 4, 6 . 4 से हराया लेकिन उससे एक साल बड़ी उसकी बड़ी बहन 17 वर्षीय लिंडा ने कैटी वोलिनेट्स को 6 . 3, 7 . 5 से मात दी। अब उसका सामना फ्रेंच ओपन 2017 चौम्पियन येलेना ओस्टापेंको से होगा। पूर्व अमेरिकी ओपन चौम्पियन एम्मा राडुकानू ने दाहिने हाथ की चोट के कारण नाम वापिस ले लिया। उनकी जगह 'लकी लूजर' जूलिया ग्राबेर ने ली जिसने विक्टोरिया तोमोवा को 6 . 1, 7 . 6 से हराया। अमेरिका की स्लोएने स्टीफेंस को जाकलिन क्रिस्टियन ने 5 . 7, 6 .4, 6. 4 से हराया जबकि यूजीनी बूचार्ड ने डायना याय को 6 . 7, 6 . 2, 6 . 2 से मात दी।

रायो से हारी बार्सीलोना, बढ़त में इजाफे से चूकी

मैड्रिड। रीयाल मैड्रिड की अप्रत्याशित हार के बाद बार्सीलोना के पास स्पेनिश लीग फुटबॉल में अपनी बढत में इजाफा करने का सुनहरा मौका था लेकिन टीम इससे चूक गई और रायो वालेकानो से 2 . 1 से हार गई। बार्सीलोना और दूसरे स्थान पर काबिज मैड्रिड के बीच 11 अंकों का अंतर है। अगर बार्सीलोना यह मैच जीत जाती तो 2019 के बाद पहला स्पेनिश लीग खिताब जीतने का उसका दावा पुख्ता हो जाता क्योंकि मैड्रिड को एक दिन पहले ही गिरोना ने 4 . 2 से हराया। मैड्रिड का फोकस मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ चौम्पियंस लीग सेमीफाइनल और ओसासुना के खिलाफ कोपा डेल रे फाइनल पर है।

अब बार्सीलोना को रीयाल बेटिस और ओसासुना से खेलना है। रायो इस जीत के बाद नौवें स्थान पर है। उसके लिये 19वें मिनट में अलवारो गार्शिया और 53वें मिनट में फ्रान गार्शिया ने गोल दागे। बार्सीलोना के लिये एकमात्र गोल आखिरी क्षणों में रॉबर्ट लेवांडोवस्की ने किया। अन्य मैचों में एटलेटिको ने मालोरका को 3 . 1 से मात दी। वहीं अलमेरिया ने गेटाफे को 2 . 1 से हराया।

पत्रकारों की तरफ से पूछे जाने वाले सवाल पहले से ही थे पता, बाइडेन की चीट शीट का हुआ खुलासा

राजनेताओं और देश की अग्रिम पद पर बैठे लोगों के द्वारा पत्रकारों से मुखातिब होना आम बात है। इंटरव्यू या प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किसी भी देश के नेता पत्रकारों के सवालों के जवाब देते नजर आते हैं। इसमें कई बार सवाल हल्के और सरल होते हैं तो कई बार नेताओं को असहज स्थिति में भी ला देते हैं। लेकिन क्या हो अगर पत्रकारों की तरफ से पूछे जाने वाले सवाल पहले से ही नेताओं को दे दिए जाए ताकि वो इसके जवाब की तैयारी पहले से करके आए। अमेरिका में साल 2024 में राष्ट्रपति का चुनाव होना है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दोबारा से राष्ट्रपति पद को लेकर अपनी दावेदारी का ऐलान हाल ही में किया है। लेकिन जो बाइडेन की चीट शीट का खुलासा उन्हें लाइमलाइट में एक बार फिर से लेकर आ गया है।

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के साथ बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा आयोजित एक चीट शीट से पता चला है कि उन्हें एक पत्रकार द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्न के बारे में पहले से पता था। फोटो जर्नलिस्ट्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बाइडेन के चीट शीट ले जाने का पर्दाफाश किया है। यह रहस्योद्घाटन बाइडेन द्वारा 2024 में फिर से चुनाव लड़ने का ऐलान करने के दो दिन बाद सामने आया है। न्यूयॉर्क पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में लॉस एंजिल्स टाइम्स के एक रिपोर्टर कर्टनी सुब्रमण्यन का सवाल था कि आप गठबंधन आधारित विदेश नीति के साथ – अपनी घरेलू प्राथमिकताओं – जैसे अर्धचालकों के निर्माण को फिर से शुरू कैसे कर रहे है? दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के साथ बाइडेन की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुआ। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, प्रेस कॉन्फ्रेंस में उत्तर कोरिया से बढ़ते परमाणु खतरों पर चर्चा हुई – क्योंकि दोनों देश अपने गठबंधन की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इससे पहले भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की एक तस्वीर सामने आई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति की एक तस्वीर सामने आई, जब वह नोटों के पन्नों को पलट रहे थे। बैठक के दौरान क्या करना है, इस पर बाइडेन के लिए चरण–दर–चरण निर्देशों का उल्लेख नोटों में किया गया है। निर्देशों में बाइडेन को मोटे लाल अक्षरों में ष्आपष के रूप में संदर्भित किया गया था।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने वेस्ट हैम को हराया, जीत के साथ टीम छठे स्थान पर पहुंची

लंदन। प्रीमियर लीग फुटबॉल अंतिम चार में पहुंचने की उसकी राह भले ही दुश्वार हो लेकिन लिवरपूल ने हार नहीं मानी है। जर्गेन क्लोप की टीम ने वेस्ट हैम को 2 –1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। जोएल माटिप ने 67वें मिनट में हेडर पर निर्णायक गोल किया। इससे पहले लुकास पाकेटा ने 12वें मिनट में वेस्ट हैम को बढत दिलाई लेकिन कोडी गाकपो ने लिवरपूल के लिये छह मिनट बाद बराबरी का गोल किया। लिवरपूल अब छठे स्थान पर है लेकिन चौथे स्थान पर काबिज मैनचेस्टर युनाइटेड के उससे छह अंक अधिक है। अब उसे दो ही मैच और खेलने हैं।

एयर इंडिया के बेड़े में शामिल होगें 470 विमान, 1,000 से अधिक पायलटों की करेगी नियुक्ति

नयी दिल्ली। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया (एआई) अपने बेड़े और नेटवर्क के विस्तार के लिए 1,000 से अधिक पायलटों की नियुक्त करेगी। इनमें वरिष्ठ पायलटों के अलावा प्रशिक्षु शामिल होंगे। एयर इंडिया ने बोइंग और एयरबस को 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। इनमें बड़े आकार के विमान भी शामिल हैं। कंपनी के पास अभी 1,800 से अधिक पायलट हैं। एयरबस के ऑर्डर में 210 ए320/321 नियोध्एक्सएलआर और 40 ए350–900/1000 विमान शामिल हैं। वहीं बोइंग को एयरलाइन ने 190 737–मैक्स, 20 787एस और 10 777 विमानों का ऑर्डर दिया है। टाटा समूह ने जनवरी, 2022 में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। एयर इंडिया द्वारा बृहस्पतिवार को निकाले गए एक विज्ञापन के अनुसार, एयरलाइन अब 1,000 से अधिक पायलटों की भर्ती कर रही है। कंपनी ने कहा कि 500 घ्घ्से अधिक विमान इसके बेड़े में शामिल हो रहे हैं। एयर इंडिया ने 17 अप्रैल को अपने पायलटों और चालक दल के सदस्यों के लिए एक नया वेतन ढांचा पेश किया था। हालांकि, दोनों पायलट यूनियनों...इंडियन कमर्शियल पायलट्स एसोसिएशन (आईसीपीए) और इंडियन पायलट्स गिल्ड ने इसे खारिज कर दिया था। पायलट यूनियनों ने कहा है कि एयरलाइन ने नए अनुबंधों को अंतिम रूप देने से पहले उनके साथ बातचीत नहीं की है।

दिल्ली पहुंचे 360 भारतीय नागरिक, ऑपरेशन कावेरी के लिए पीएम मोदी का किया शुक्रिया

भारत सहित कई देशों ने सूडान की राजधानी खार्तूम से राजनयिकों और नागरिकों को निकाला। 72 घंटे के संघर्ष विराम के प्रभावी होने के कारण हाल के दिनों में बचाव अभियान तेज हो गया है। विदेशी देश अपने नागरिकों को सूडान से सड़क, वायु और समुद्र के रास्ते सूडान से बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए हैं और

पानी, भोजन, दवाओं और ईंधन की भारी कमी हुई है। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, लड़ाई में कम से कम 512 लोग मारे गए हैं और 4,000 से अधिक घायल हुए हैं, और ग्रेटर खार्तूम के कुछ जिलों को खंडहर बना दिया है।

360 भारतीयों का पहला जत्था आज रात दिल्ली पहुंच गया भारत ने हिंसाग्रस्त सूडान से अपने निकासी अभियान के तहत कम से कम 534 नागरिकों को बाहर निकाल लिया है और 360 भारतीयों का पहला जत्था आज रात दिल्ली पहुंच गया। यह अभियान सूडान की सेना और अर्द्धसैनिक बलों के बीच कुछ समय के लिए जारी संघर्षविराम के दौरान चलाया जा रहा है। भारतीय वायुसेना के दो परिवहन विमानों के जरिये सूडान से 256 भारतीयों को निकाला गया है। इससे पहले नौसेना के जहाज आईएनएस सुमेधा के माध्यम से इस हिंसाग्रस्त अफ्रीकी देश से 278 नागरिकों को निकाला गया था। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सूडान से अब तक निकाले गए भारतीय नागरिकों की संख्या 534 हो गई है। इंडियन आर्मी जिंदाबाद के नारे लगाए: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट कर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे भारतीयों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, ''भारत अपनों का स्वागत करता है। ऑपरेशन कावेरी के तहत पहली उड़ान नयी दिल्ली पहुंची और 360 भारतीय नागरिक अपनी सरजमीं पर उतरे। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही लोगों ने भारत माता की जय, इंडियन आर्मी जिंदाबाद, पीएम नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए बुरी खबर चोट के कारण वाशिंगटन सुंदर आईपीएल से बाहर

नयी दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बृहस्पतिवार को आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए जिससे खराब फॉर्म से जूझ रही उनकी टीम को एक और झटका लगा है। टीम ने सुंदर की चोट और बाकी सत्र के लिये उनके उपलब्ध नहीं होने की जानकारी दी। टीम ने ट्वीट किया ,' वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण आईपीएल 2023 के बाकी मैच नहीं खेल सकेंगे। उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना।'' सुंदर ने अभी तक सात मैचों में 8 . 26 की इकॉनामी से तीन विकेट लिये और 60 रन बनाये। सनराइजर्स सात मैचों में महज दो जीत के बाद दस टीमों में नौवे स्थान पर है।

रूस से संबंधों को लेकर भारत के साथ रणनीतिक संयम बरते अमेरिका: जिम मैटिस

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने कहा है कि अमेरिका को रूस से संबंधों को लेकर भारत के साथ रणनीतिक संयम दिखाने की आवश्यकता है। मैटिस ने साथ ही कहा कि भारत यूक्रेन पर रूस के हमले का समर्थन नहीं करता है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध बहुत काफी मजबूत हुए हैं। मैटिस ने बुधवार को कहा, ''हमें कुछ संयम दिखाने की जरूरत है। वे (भारतीय) सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'' मैटिस ने बुधवार को 'कांग्रेशनल इंडिया कॉकस' के सह–अध्यक्ष रो खन्ना द्वारा आयोजित भारत–अमेरिका शिखर सम्मेलन में यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखी है और भारत सरकार यूक्रेन पर रूसी हमले का समर्थन नहीं करती।

मैटिस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसे लेकर बहुत स्पष्ट रहे हैं। उन्होंने कहा, ''भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते रहना होगा।'' मैटिस ने कहा कि भारत का रूस के निकट होना इस समय अमेरिका के लिए बुरा नहीं है। उन्होंने कहा, ''भारत जो आखिरी चीज करना चाहता है...वह रूस और चीन को एक साथ लाना है।'' चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के अपने सहयोगी देशों के विपरीत भारत ने यूक्रेन पर रूस के हमले की अभी तक निंदा नहीं की है और वह रूसी आक्रमण को लेकर संयुक्त राष्ट्र मंचों पर मतदान से दूर रहा है। भारत यूक्रेन में हिंसा पर तत्काल रोक लगाने और कूटनीति एवं वार्ता के जरिए संकट का समाधान करने पर जोर देता रहा है।

मैटिस ने कहा कि भारत रूसी प्रभाव क्षेत्र से बाहर आ रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत को भाषण देने का समय नहीं है, बल्कि यह उसके साथ काम करने का अवसर है, जिसका पड़ोस जटिल है। उन्होंने कहा कि एक ओर उसका एक कट्टरपंथी और परमाणु हथियार रखने वाला पड़ोसी देश पाकिस्तान है और दूसरी ओर, उसका एक पड़ोसी चीन है जो उसे डराने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने अमेरिकी प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिकों के बीच सहयोग को जारी रखने और उनके आवागमन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की मांग की।

स्वीडन ने लॉन्च किया रिसर्च रॉकेट, गलती से नॉर्वे पर जा गिरा, हादसे पर विदेश मंत्रालय का फूटा गुस्सा

स्वीडन स्पेस कॉर्प द्वारा सोमवार तड़के उत्तरी स्वीडन के एस्रेंज स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया एक रिसर्च खराब हो गया और पड़ोसी देश नॉर्वे के अंदर 15 किमी (9.32 मील) दूर जा गिरा। जेंसी ने एक बयान में कहा कि रॉकेट 250 किलोमीटर की ऊंचाई पर पहुंचा जहां शून्य गुरुत्वाकर्षण में प्रयोग किए गए। एसएससी में संचार प्रमुख फिलिप ओल्सन ने न्यूज एजेंसी रायटर्स को बताया कि यह 1,000 मीटर की ऊंचाई पर और निकटतम बस्ती से 10 किलोमीटर की दूरी पर पहाड़ों में उतरा। उन्होंने कहा कि जब चीजें गलत हो जाती हैं तो दिनचर्या होती है और हम स्वीडिश और नार्वेजियन सरकारों और अन्य अभिनेताओं दोनों को सूचित करते हैं।

एजेंसी ने कहा कि पेलोड को पुनः प्राप्त करने का काम चल रहा है और अनियोजित उड़ान पथ के पीछे तकनीकी विवरण निर्धारित करने के लिए एक जांच शुरू की जा रही है। नॉर्वे के विदेश मंत्रालय ने दुर्घटना की तुरंत सूचना नहीं देने पर स्वीडन से नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि इस तरह की दुर्घटना बहुत गंभीर है। यह भारी नुकसान पहुंचा सकती है। एसएससी में संचार प्रमुख फिलिप ओल्सन ने कहा कि यह रॉकेट 1,000 मीटर की ऊंचाई पर और निकटतम बस्ती से 10 किमी दूर पहाड़ों पर गिरा है, इसलिए यहां किसी की मृत्यु की आशंका नहीं है।

आपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत दो स्थानों पर पंद्रह कैमरा लगा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, गोरखपुर ने चलाये जा रहे अभियान आपरेशन त्रिनेत्र हर घर कैमरा के अन्तर्गत जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में दिनेश कुमार सरोज थानाध्यक्ष उसका बाजार द्वारा गुरुवार को थाना क्षेत्र

के दो स्थानों पर सीसीटीबी आईपी कैमरा लगाया गया। नन्द लाल पुत्र स्व बुद्धू ग्राम उसकिया 8 कैमरा, रामेश्वर सिंह पुत्र स्व यमुना सिंह ग्राम पकड़ी 7 कैमरा के प्रतिष्ठान पर कैमरा लगा। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज व उनकी टीम द्वारा उक्त दोनों महानुभावों को माल पहनाकर सम्मानित किया गया और उनको मिठाईयां खिला कर धन्यवाद दिया गया।

अध्यक्ष पद की प्रत्याशी चमन आरा राईनी का नगर निकाय चुनाव कार्यालय का हुआ शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाँसी,सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी बाँसी से अध्यक्ष पद की प्रत्याशी चमन आरा राईनी का नगर निकाय चुनाव कार्यालय का शुभारम्भ पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ०प्र०इटवा विधायक माता प्रसाद पाडेयध्सपा जिलाध्यक्ष सिद्धार्थनगर लाल जी यादव बाँसीध लोकसभा प्रभारी सिद्धार्थनगर ओमकार पटेल द्वारा किया गया इस मौके पर डुमरियागंज विधायक सैय्यदा खातून ,पूर्व विधायक अनिल सिंह, मरिन्दर मिशाल, पूर्व बांसी विधनसभा प्रत्याशी मोनू दूबे, नि०सपा प्रदेश सचिव विभा शुक्ला, पूर्व ब्लाक प्रमुख तुफैल अहमद, मुस्ताक (लखपति) राईनी, वरिष्ठ नेता ईश्वर चंद दुबे ,वरिष्ठ नेता कृष्ण कुमार त्रिपाठी, नि०सभासद अरूण गुप्ता, नि०सभासद सालिकराम, नि०सभासद मुस्तफा, नि०सभासद अरूण सभासद, नि०सभासद सैय्यद कुतुब, नि०सभासद साकिर, पूर्व सभासद, बद्री प्रसाद, पूर्व सभासद परवेज अहमद, पूर्व सभासद शिवरतन, देवेश पाण्डेय, टिंनकन सिंह, प्रशांत पाण्डेय, ऋषि कबीर, गणेश दत्ता, रामविलास मौर्य, विवेक मौर्य, सुधीर मौर्य, मनोज कुमार, मोहम्मद हुसैन (चुन्नू), अशद खान, शफी शेख (छोटू), इमरान पठान, शहजादे खान, अजमत अली, शोएब राईनी,राशिद और तमाम समाजवादी साथी मौजूद रहे।

बच्चों ने बढ़ाया परिवार का मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सदर विकास खण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत महदेवा खुर्द निवासी विशाल यादव पुत्र कोमल यादव माता अकाली देवी ने हाईस्कूल में 94 प्रतिशत अंक पाकर परिवार, मित्रों व प्रियजनों का मान बढ़ाया है। इसी प्रकार धौरीकुइयाँ निवासी अतुल कुमार गुप्त पुत्र राम अदालत गुप्त ने इंटरमीडिएट में 84 प्रतिशत अंक पाकर माता पिता व गुरुजनों का मान बढ़ाया है। विशाल यादव और अतुल कुमार पढ़ने में मेधावी छात्र रहे। ये आगे की पढ़ाई करके डॉक्टर बनना चाहते हैं। उक्त दोनों छात्र स्थानीय रघुबर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तेतरी बाजार के छात्र हैं। इसके श्रेय अपने माता पिता व गुरुजनों को दिया है।

अनाथ आश्रम अध्यक्ष ने गरीबों में वितरित किया सामग्री कराया भोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर। भारत सीमा से सटे रूपंदेही जिले के लुंबिनी शाक्य मुनि बुद्ध अनाथ आश्रम अध्यक्ष ने गरीब परिवार अनाथ बच्चों में कपड़ा वितरण कर एक संदेश दिया है। अध्यक्ष ओमकार पांडेय ने लुंबिनी क्षेत्र के बुटवल, वा पाल्पा आदि के अनाथ वा गरीब बच्चों

का सहायता किया। बच्चों को भोजन कराया गया। ओमकार पांडेय ने कहा, अनाथ असहाय बच्चों की सेवा करना पुनीत कार्य है। हम सबका दायित्व होती है कि, ऐसे कार्यों के लिए हम अग्रसर हो। उन्होंने कहा भारत के सिमाई क्षेत्र के कुछ सहयोगियों ने अनाथ आश्रम में अपने दायित्व का निर्वहन किया है। जिससे इस संस्था को बल मिला है।नेपाल के पहाड़ी क्षेत्र में अभी भी ठंढ बरकरार है। सुबह वा रात्रि में लोग गर्म वस्त्र का प्रयोग करते है। विनोद लोधी,चंदन तिवारी,अजय,मुकेश शर्मा,रवि यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के निर्वतमान जिला सचिव पुनीत कश्यप भाजपा में शामिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के निर्वतमान जिला सचिव पुनीत कश्यप ने नगर पालिका अध्यक्ष पद चुनाव के लिया भाजपा प्रत्याशी धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू को समर्थन दिया। सदर विधायक पलटूराम और बीजेपी प्रत्याशी डाक्टर धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू ने पुनीत कश्यप का भगवा गमछा पहना कर स्वागत किया। पुनीत कश्यप निर्दल प्रत्याशी के रूप में गदुरहवा दक्षिणी से चुनाव लड़ रहे हैं। पुनीत कश्यप का चुनाव चिन्ह मोटरसाइकिल है।

जिला जेल गोरखपुर में आग लगाने वाला फरार अभियुक्त को शाहपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। गोरखपुर जेल में 13 अक्टूबर 2016 को कैदी की मौत के बाद जिला जेल में उत्पात मचाते हुए कैदियों ने पुलिस पर जानलेवा हमला बोला था जिसमें 121 से कैदियों को विवेचना के दौरान अभियुक्त बनाया गया था 119 कैदियों को पहले जेल भेजा जा चुका है फरार चल रहे दो अभियुक्तों में से महेंद्र यादव को शाहपुर पुलिस ने एसओजी टीम के सहयोग से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की बचे एक अभियुक्त बिट्टू मिश्रा निवासी भैंसालोटन बाल्मिकी नगर बिहार के ऊपर 15000 नगद इनाम घोषित है उसे भी गोरखपुर की पुलिस जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी पुलिस लाइन वाइट हाउस सभागार में पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण विश्नोई ने प्रेस वार्ता कर बताया कि 13 अक्टूबर 2016 को जेल खोलने के पश्चात कारागार में निरुद्ध बंदी आफरीन विवेक तिवारी राकेश सिंह नंदन सिंह राकेश मणि मनोज ओझा चंदन यादव शेरू राज कुमार बाजपेई आनंद तिवारी दीपू उर्फ करुणेश बुद्धीसागर शुक्ला तथा अन्य अज्ञात कैदियों द्वारा कारागार में अभिलेखों को नष्ट कर सरकारी इमारत पीसीओ यंत्र जेल में लगे सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य बिजली के सामान तोड़फोड़ कर नष्ट कर दिये थे जिसमें 119 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका था फरार चल रहे दो कैदियों में से एक मनोज यादव पुत्र श्यामा यादव निवासी इंद्र नगर न्यू शिवपुर कॉलोनी थाना रामगढ़ताल गोरखपुर को आज गिरफ्तार किया गया फरार एक अभियुक्त बिट्टू मिश्रा को बहुत ही जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मालूम हो कि 13 अक्टूबर 2016 को जिला कारागार में एक कैदी की मौत के बाद अन्य कैदियों ने जमकर उत्पात मचाया था पूरे जेल परिसर को अपने कब्जे में ले लिया था इस भिड़ंत में तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए थे स्थिति को काबू में करने के लिए जिला प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी जेल सिपाही जेल के अंदर जाने में कतरा रहे हैं थे तत्कालीन जिलाधिकारी संध्या तिवारी के साथ तत्कालिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामलाल वर्मा भारी संख्या में बल लेकर जेल के बाहर मुस्तैद थे कैदियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए थे। क्यों की 13 अक्टूबर 2016 को जेल प्रशासन ने जेल में छापा मारकर सघन जांच अभियान चलाया था कई कैदियों के पास से आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए थे, जिसके बाद से ही जेल में सख्ती बरती जा रही थी इस कार्रवाई से नाराज कुछ बंदियों ने नारेबाजी और पथराव किया था उस कार्रवाई में 25 अभियुक्तों को नामजद किया गया था विवेचना के दौरान विवेचक ने 121 उपद्रव आगजनी दस्तावेजों को फाड़ने के लिए दोषी पाया था जिसमें से 119 उपद्रवियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है फरार चल रहे दो अभियुक्तों में से एक अभियुक्त महेंद्र यादव पुत्र स्वर्गीय श्यामा यादव निवासी इंदिरा नगर न्यू शिवपुर कॉलोनी थाना रामगढ़ ताल को शाहपुर पुलिस ने एसओजी टीम के सहयोग से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया फरार चल रहे बिहार निवासी बिट्टू मिश्रा भईसालोटन बाजार बाल्मिकीनगर के ऊपर 15000 इनाम घोषित किया गया है उसे भी बहुत ही जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ग्राम पंचायत अधिकारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन,आशुतोष यादव बने जिलाध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायत अधिकारी संघ जनपद शाखा सिद्धार्थनगर के द्विवार्षिक अधिवेशन एवं संगठन के नवीनीकरण का कार्यक्रम विकास खंड बासी के सभागार में आयोजित किया गया। आशुतोष यादव को जिलाध्यक्ष, अभिनव ओझा जिला मंत्री,राजेश चौधरी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्रदीप सिंह को कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर अखिलेश यादव, अंकित तिवारी, हरि राम चौधरी, रवि कपूर, दिलीप पटेल संगठन मंत्री–महेश्वर पांडे ,प्रियंका गोस्वामी ,निशा श्रीवास्तव ,संजय मीडिया प्रभारी विकाश चौधरी संरक्षक के रूप में आशुतोष मिश्रा, हरिशंकर को सर्वसम्मति से चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अपने संगठन को मजबूत करने तथा ग्राम पंचायत सचिवों के हक की लड़ाई तत्पर रहने का विश्वास दिलाया इस अवसर पर जनपद सिद्धार्थनगर के समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वशिक्षा अभियान के तहत निकाली गई रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोहास बाजार,सिद्धार्थनगर। सर्वशिक्षा अभियान के तहत रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया गया। जिसमें संचारी रोग नियंत्रण, हैंडवॉश

रैली निकाली गई।जिसमें स्कूली बच्चे सुबह स्कूल खुलने के बाद कतारवद्ध होकर लोक लुभावने नारे लगा कर लोगों को जानकारी दे रहे थे। सदर विकास खण्ड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय गोसाईं पुर के छात्रों ने स्कूल चलो अभियान,संचारी रोग व हैंडवॉश के जानकारी से सम्बंधित रैली निकाली गई। स्कूली बच्चे दफ्ती पर विभिन्न प्रकार के नारे व स्लोगन लिखकर हाथ में लिए हुए थे। बच्चे शिक्षा,पानी की बचत,साबुन से हाथ धोना व साफ सफाई पर नारा लगा रहे थे।मालूम हो कि शत प्रतिशत नामांकन हेतु स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई।जिसमें गंदगी से फैलने वाले रोगों की जानकारी दी गई।इसके अलावा पानी के बचत व हाथ की साफ सफाई के लिए साबुन से हाथ धोने की जानकारी दी गई।जिससे हाथ मे लगा गन्दगी पेट मे न जा सके।बीमारी से बच सकें।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आरती चौधरी, स्मिता, सीमा, वर्षा मद्धेशिया, श्यामदुलारी, इन्द्रमणि ग्राम प्रधान मुराली, विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष जगजीवन सहित तमाम लोगों ने भाग लिया।

रिहायशी झोपड़ी में मोहम्मद कैफ ने लगाई आग,सामान जलकर हुआ राख

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत उचेहरा कला में लगभग 2:00 बजे रात को गांव के एक युवक मोहम्मद कैफ द्वारा झोपड़ी में रखे समान उठा ले जाने के बाद आग लगा दी, देखते–देखते ही आग ने पूरी झोपड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। आग में बच्चों और परिजनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। पीड़ित महिला ने बताया कि गांव के आग से अनाज, कपड़ा, बर्तन सहित 5 हजार नकदी जलकर नष्ट हो चुका था। विधवा महिला अपनी बेटी के शादी के लिए एक एक समान जुटा रही थी जिसमें गांव के एक व्यक्ति मोहम्मद कैफ द्वारा आग लगा दी गई आग लगने के बाद चीज पुकार सुनते ही गांव के लोग पहुंचकर आग पर पाया काबू अब देखने की बात है कि दुधारा पुलिस विधवा महिला को क्या न्याय दिला पाती है या नहीं।

- लड़की की शादी के सामान जलकर हुआ खाक
- विधवा महिला ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वच्छता समिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में जनपद स्वच्छता समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई, जिलाधिकारी ने निर्देश

दिया है,कि पात्र लाभार्थियों का परीक्षण न्याय पंचायत वार नामित नोडल अधिकारियों से कराने की कार्यवाही की जाय, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति व्यक्तिगत शौचालय से वंचित न रहने पाए। इसके अलावा सरकार द्वारा संचालित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को भी धरातल पर उतारकर हर पात्रजनों को शत–प्रतिशत लाभान्वित किया जाए,और यह भी ध्यान रखा जाए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से कोई भी गरीब बेसहारा व असहाय व्यक्ति वंचित न रहने पाये।राज्य स्तर से चयनित जनपद के कुल–190 ग्राम पंचायतों के 217 राजस्व ग्रामों के ग्राम स्वच्छता कार्ययोजना निर्माण,गोवर्धन योजना की प्रगति,स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अन्तर्गत जनपद की वित्तीय वर्ष 2023–24 के वार्षिक कार्ययोजना का अनुमोदन एवं अन्य बिन्दु पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह सहित कमेटी की सदस्यगण एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारीगणध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सोनबरसा के पूर्व छात्र वीरेंद्र कुमार ने अपने स्कूल से बालक वर्ग में किया टाप

सोनबरसा के पूर्व छात्रों वीरेंद्र कुमार, बजरंगी, विजय कुमार व शिवम कुमार को किए गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। गुरुवार को शिक्षा क्षेत्र मनकापुर के कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा

बक्सरा आज्ञाराम के पूर्व छात्रों वीरेंद्र कुमार, विजय कुमार, बजरंगी प्रसाद व शिवम कुमार को हाईस्कूल की परीक्षा उल्लेखनीय नंबर से पास करने के लिए विद्यालय के प्र०प्र०अ० बलजीत सिंह कनौजिया ने इन बच्चों को सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप माल्यार्पण कर मुंह मीठा कराया गया।साथ ही गिफ्ट पैक के रूप स्टेशनरी व लड्डू भेंट किया। बताते चलें कि वीरेंद्र कुमार ने अपने विद्यालय एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल से बालक वर्ग में टाप किया है।इसी प्रकार बालिका वर्ग में कु०फरेहन ने टाप किया है।इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ बलजीत सिंह कनौजिया,राम अनुज, शताब्दी वर्मा, सुरेश कुमार, देवेंद्र प्रताप, अमर ज्योति, पूनम यादव, अनुराधा मिश्रा व चित्रावती मौर्य ने बच्चों को शुभकामनाएं दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आवास योजना में वसुली करने वाले के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की जाये कार्यवाही:जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने जनपद के समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि गरीब परिवार के व्यक्तियों को प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास की सुविधा उपलब्ध कराया जाना शासन की शीर्ष प्रथामिकता वाले कार्यक्रमों में सम्मलित है उन्होने कहा है प्रायः विभिन्न माध्यमों से शिकायतें प्राप्त होती है कि प्रधानमंत्री आवास योजनाध्मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के नाम पर ग्राम पंचायत अधिकरीध ग्राम विकास अधिकारी व अन्य व्यक्तियों द्वारा धनराशि की मांग की जाती है यह स्थिति शासन की मंशा के सर्वथा विपरित है उन्होने कहा कि सभी खण्ड विकास अधिकारी अपने विकास खण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत यह सुनिश्चित कराये की किसी भी लाभार्थी से आवास के नाम पर किसी भी अधिकारीध्कर्मचारी द्वारा या किसी भी अन्य व्यक्ति द्वारा आवास के नाम पर धनराशि की वसुली की शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित का उत्तर दायित्व निर्धारित करते हुए प्राथमिकी दर्ज की कार्यवाही सुनिश्चित करायेगें। उन्होने कहा कि जनपद में निर्माणाधीन प्रधानमंत्रीध्मुख्यमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यो की प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक सप्ताह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

ट्रांसफार्मर में लगा विद्युत खूंटी जर्जर निकल रही चिंगारियां दुर्घटना की आशंका

उपभोक्ताओं को नहीं मिल पा रहा बराबर बिजली

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। झंझरी ब्लाक के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सिहागांव मैं लगा विद्युत ट्रांसफार्मर काफी जर्जर है ट्रांसफार्मर में लगी विद्युत पूर्ति ढीली होकर हिल रही है जिसे चिंगारियां निकल रहे हैं विद्युत उपभोक्ताओं को बराबर विद्युत सप्लाई नहीं मिल रही है जिससे विद्युत उपभोक्ता काफी परेशान हैं। बताते चलें कि उक्त गांव के मजरा बक्साहवा मे विद्युत ट्रांसफार्मर काफी पुराना लगा हुआ है जिसकी सभी तार व विद्युत ट्रांसफार्मर लगे खूंटी गीली हो गई है और अक्सर चिंगारियां निकलती रहती हैं जिससे कभी भी दुर्घटना हो सकती है उक्त गांव के निवासियों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि उक्त ट्रांसफार्मर को या तो ठीक करवाया जाए या दूसरा ट्रांसफार्मर लगाया जाए जिससे कि दुर्घटना से भी बचा जा सके और उपभोक्ताओं को अच्छी बिजली मिल सके लोगों ने बताया कि कभी–कभी लाइट आने पर उक्त लगे ट्रांसफार्मर से चिंगारियां निकलने लगती हैं जिससे कभी भी किसी भी प्रकार की घटना हो सकती है और गांव के लोग काफी परेशान है यहां पर 2 दर्जन से अधिक जिसको दुआओं ने रखा है जिन्हें सुचारू रूप से अच्छे विद्युत सप्लाई नहीं मिल पा रही है क्योंकि ट्रांसफार्मर लगे हर साल खूंटी जर्जर हो चुके हैं और अक्सर चिंगारियां निकलती रहती हैं इसी वजह से विद्युत सप्लाई भी कभी लोग कभी हाई मिलती है भाई बिजली आने पर बल्ब पंखे खराब हो जाते हैं वही कम कम विद्युत सप्लाई होने पर बल्ब बिल्कुल धीमी जलती है कुल मिलाकर उक्त गांव के लोग काफी परेशान हैं।

खरगूपुर गोंडा के छात्र–छात्राओं ने हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट की परीक्षा में किया नाम रोशन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। थाना खरगूपुर क्षेत्र के रहने वाले शोभित तिवारी पुत्र श्री देव प्रकाश तिवारी ने इंटरमीडिएट की परीक्षा वर्ष 2022–23 की परीक्षा में 447 अंक 89.4: पाकर अपने क्षेत्र तथा माता–पिता का नाम रोशन किया। माता–पिता तथा क्षेत्र के लोग काफी खुश हैं शोभित तिवारी से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमारे इस पढ़ाई में हमारे माता–पिता व गुरुजनों ने काफी साथ दिया और उन्होंने बताया कि मैं आगे चलकर आईएएस बनना चाहता हूं। छात्र ने अच्छे नंबर से पास होने पर अपने माता–पिता तथा शिक्षक को धन्यवाद दिया और कहा कि हमें सभी का प्यार पढ़ाई में मिलता रहे और हम भी जी जान लगाकर पढ़ाई करेंगे और हमारा सपना है कि मैं पढ़ लिखकर आईएएस बनूं। सोनिका तिवारी पुत्री श्री बृजेश कुमार तिवारी ने हाई स्कूल की परीक्षा वर्ष 2022–23 की परीक्षा में 93% तथा आराधना तिवारी पुत्री भालचंद्र तिवारी ने हाई स्कूल की परीक्षा वर्ष 2022–23 की परीक्षा में 92% और राजन शुक्ला पुत्र श्री अशोक कुमार शुक्ला 91% अंक लाकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। इन सभी के माता–पिता एक किसान हैं जो अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। बच्चों से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमारे इस पढ़ाई में हमारे माता–पिता व गुरुजनों ने काफी साथ दिया। बच्चों के माता–पिता गुरुजन तथा क्षेत्र के लोग उनके घर पर पहुंचकर बधाई भी दे रहे हैं।

खराब निर्माण सामग्री से हो गया नया रोड जर्जर ग्राम सभा खमरिया में

रोड कार्य मानक विहीन कई बार शिकायतों के बाद भी ठेकेदार बन रहे अनजान

तुलसीपुर,बलरामपुर। विकासखंड पचपेडवा यह पूरा मामला जनपद बलरामपुर के विकासखंड पचपेडवा खमरिया ग्राम पंचायत बीच संपर्क मार्ग का है जहां पर इस मानक विहीन रोड के कार्य को लेकर कई बार सेक्रेटरी से कहा गया इस मामले को लेकर ठेकेदार को अवगत भी कराया है फिर भी ठेकेदार के द्वारा कार्य परिवर्तन नहीं किया गया इसी बीच आज मौके पर पहुंचे मीडिया कर्मी ने इस रोड का मुआयना करते हुए देखा कि रोड पर पैर मारने से भी रोड इधर उधर बिखर रही है ऐसी अनियमितताएं देखते हुए मीडिया कर्मियों ने ठेकेदार से फोन पर बात की तो मीडिया कर्मी से पूछ रहे हैं कि आपको क्या परेशानी है मौके पर पहुंचे जिन्होंने मीडिया को इस बारे में बिस्तार बताया कि हमने कई बार इस मामले को लेकर ठेकेदार व जेई को अवगत भी कराया है पर ठेकेदार व जेई ग्रामीण की बात नहीं सुने रहे है न जाने किस राजनीतिक नेता की छत्रछाया में काम कर रहे प्रधान प्रतिनिधि से बात किया जाता है तो आम नागरिकों की क्या औकात जो ठेकेदार से अनियमिताओं के बारे में बात करे अब देखना यहां है कि खबर प्रसारित होने के बाद में इस मामले से संबंधित उच्च अधिकारी लोग इस मामले पर क्या संज्ञान लेते हैं या नहीं या तो आने वाला वक्त ही बताएगा । पचपेड़वा वीडियो साहब से बात किया गया तो उन्होंने कहा कि मामले को जांच कर रहे हैं।

स्वतंत्र निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न हो चुनाव

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। राज्य निर्वाचन आयोग, उ0प्र0, लखनऊ के मंशानुसार जिला प्रशासन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में नगर निकाय चुनाव कराने हेतु प्रतिबद्ध है। इसलिए दोनों नगर निकाय क्षेत्रों के उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त करा ली जाएं, निकाय क्षेत्रों के थानाध्यक्षों को भी यह निर्देश दिया है,कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में नगर निकाय सीमा से 10 किलोमीटर के अन्दर आवासित शस्त्र लाइसेंस धारकों से शस्त्र भी जमा कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए,ताकि नगर निकाय निर्वाचन को शान्तिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया जा सके। उक्त निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी के बैठक की अध्यक्षता करते हुए,जिला मजिस्ट्रेटधजिला निर्वाचन अधिकारी नेहा प्रकाश ने दिया है,स्वतंत्र निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में नगर निकाय चुनाव कराने के लिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए, कि मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व कोई भी व्यक्ति जो नगरीय निकाय क्षेत्र का निवासी नहीं है,सम्बन्धित नगरीय निकाय में निवास नहीं करेगा। इस अवसर पर एसपी प्राची सिंह,पुलिस क्षेत्राधिकारी इकौना, प्रभारी स्थानीय अभिसूचना इकाई सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं सम्बन्धित नगर निकाय क्षेत्रों के थानाध्यक्षगण उपस्थित रहे।

11 मई, को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी (न0नि0) ने अवगत कराया है कि राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ की अधिसूचना के आधार पर नगरीय निकाय सामन्य निर्वाचन सम्पन्न कराये जा रहे है, जनपद सोनभद्र में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन का मतदान 11 मई,2023 (दिन वृहस्पतिवार) को सम्पन्न कराया जायेगा, नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन के दृष्टिगत जनपद में 11 मई,2023 (दिन वृहस्पतिवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है।

ब्लाक प्रमुख की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक आज

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा,सोनभद्र। प्रमुख क्षेत्र पंचायत स्वीकृति के क्रम में क्षेत्र पंचायत करमा की बैठक बिकास खंड पर शुक्रवार को पुर्वान्ह 11 बजे आहुत की गयी है बैठक में पिछले बैठक की कार्रवाई की पुष्टि पंचम राज्य बित्त आयोग योजना पन्द्रहवा बित्त आयोग योजना मनरेगा पेयजल समस्या स्वच्छ भारत मिशन योजना प्रधान मंत्री आवास मुख्यमंत्री आवास योजना पशु चिकित्सा बिभाग महिला एव बाल विकास आदि बिषयों पर बिचार बिमर्श किया जायेगा उक्त आशय की जानकारी ब्लाक प्रमुख नें दिया।

चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान, 9 वाहनों का काटा ईचालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। एस पी के निर्देशन में गुरुवार को इटियाथोक पुलिस टीम ने कस्बे में बलरामपुर गोंडा राज मार्ग पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। जिसमें हेलमेट के न होने तथा कागजात के अपूर्ण होने के कारण कई वाहनों के ई–चालान काटा गया। कस्बे में वाहन चेकिंग से अफरातफरी मची रही। थाना पर तैनात अपराध निरीक्षक राम प्रकाश यादव ने बताया कि 9 वाहनों की चेकिंग कर 8000 रुपये का ई–चालान किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक नेतृत्व में थाना क्षेत्र के सरईगढ़ के जंगलो में की गयी सघन काम्बिंग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक, डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में नक्सली संचरण पर प्रभावी रोकथाम लगाने, दूरस्थ व पहाड़ी क्षेत्रों के निवासियों से समन्वय स्थापित रखने व जनता में सुरक्षा की भावना बनाये रखने एवं अभिसूचना संकलन के उद्देश्य से 27 अप्रैल को अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में थाना रायपुर पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम सरईगढ़ के जंगलों में मय पीएसी सघन कॉम्बिंग की गयी । इसी प्रकार थाना विण्ढमगंज पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम धोरपा व हरपुरा के जंगलो में, थाना घोरावल पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र के ग्राम धुरकरी में तथा थाना पन्नूगंज पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र के ग्राम तेलंग व शिवपुर के जंगलो में मय पीएसी बल सघन काम्बिंग की गयी काम्बिंग के दौरान स्थानीय लोगों से वार्ता कर उन्हें मुख्य धारा में रहकर पुलिस का सहयोग करने व किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने या नक्सली संचरण के विषय मे जानकारी होने पर तत्काल पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने हेतु प्रेरित किया गया।

सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के फ्रंट लाइन कर्मचारी का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोंडा। कार्ययोजना पुनरीक्षण हेतु गोंडा वन प्रभाग तथा सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के फ्रंट लाइन कर्मचारी का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रथम दिवसीय गोंडा मुख्यालय परिसर के हरिशंकरी सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव पूर्वी गोंडा एपी सिन्हा के द्वारा किया गया कार्यक्रम में डॉ अनिरुद्ध पांडे वन संरक्षक देवीपाटन वृत्त गोंडा, एम सेमांरन्न प्रभागीय वन अधिकारी सोहेलवा वन्यजीव बलरामपुर, पंकज कुमार शुक्ला प्रभागीय वन अधिकारी गोंडा वन प्रभाग गोंडा व सुदर्शन उप प्रभागीय वन अधिकारी गोंडाध्बलरामपुर के गरिमामय उपस्थिति में ज्म्ज्त्। ज्म्ब्भ् ।त्क् वन सिस्टम पर फ्रंटलाइन कर्मचारियों को श्याम डेवाडे तथा डॉ रविंद्र पचौली के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में गोंडा वन प्रभाग एवं सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के समस्त अधिकारी व फ्रंटलाइन कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

आगामी नगर निकाय चुनाव–2023 के दृष्टिगत जनपद की सुरक्षा/ यातायात व्यवस्था रहेगी चुस्त–दुरुस्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। आगामी नगर निकाय चनाव–2023 के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के लिए यातायातध्सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए हैं। डॉ0 यशवीर सिंह, पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा भारी पुलिस बल के साथ प्रतिदिन फूट पेट्रोलिंग एवं हाई–वे पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जा रही है। जनपद के सभी एंट्री प्वाइंटोंध्प्रमुख स्थानों व सोनभद्र से लगे राज्यों के सीमा पर बैरियर लगाकर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। जनपदीय पुलिस द्वारा जनपद के सभी होटलों, धार्मिक स्थलों, माल, राजकीय प्रतिष्ठानों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों पर लगातार प्रभावी चेकिंग करते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर लगातार सतत निगरानी की जा रही है। धार्मिकध्राजनैतिक उन्माद फैलाने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

बुद्ध का संदेश

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458

संस्थापक

स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादक

राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश

9795951917,9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरुआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

ऐनीडेस्क से मोबाइल फोन हैक कर जालसाजों ने बैंक खाते से पार किया हजारों रूपए

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाले एक निजी बैंक के खाताधारक के आलग आलग खाते से जालसाजों ने एनैडेक्क से मोबाइल फोन हैक कर बैंक खाते से 72 हजार रुपये पार कर दिया। जानकारी होने पर पीडित ने साइबर सेल समेत स्थानीय पुलिस से लिखित शिकायत करी है। आशियाना थाना क्षेत्र स्थित 2ध्202, रजनीखण्ड शारदा नगर में रहने वाले अशोक कुमार पाण्डेय के मुताबिक उनका बैंक खाता एक्सिस बैंक व आई सी आई सी आई बैंक में है। पीडित के मुताबिक वह बीते 13 अप्रैल 2023 की दोपहर करीब 12रू30 बजे जालसाज ने अपने को बैक कर्मचारी बनकर फोन किया। जालसाज ने उन्हें झांसे में लेकर ऐनीडेस्क के जरिये उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया और उनके एक्सिस बैंक खाते से 67 हजार व आईसीआईसीआई बैंक खाते से 5 हजार रुपये कुल 72 हजार रुपये पार कर दिया। खाते से पैसे निकालने की जानकारी उन्हें फोन पर मैसेज आने पर हुई। जिसके बाद पीडित खाताधारक ने साइबर सेल समेत स्थानीय थाने में लिखित शिकायत करी है। पुलिस के मुताबिक पीडित की शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

परीक्षा में फेल होने पर छात्रा ने लगाई फांसी

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में एक छात्रा ने दशवीं की परीक्षा में फेल हो जाने पर आहत हो अपने घर में फांसी का फंदा बना फांसी लगा अपनी जान दे दी द्य सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के ग्राम मऊ में रहने वाली 16 वर्षीय छात्रा महिमा पुत्री कुलदीप सिंह ने अपने घर के प्रथम तल के छत पर लगे लोहे के एंगल से साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की माँ संगीता के मुताबिक उसकी पुत्री काशीश्वर इंटर कॉलेज में दसवीं कक्षा की छात्रा थी और बोर्ड परीक्षा दी थी परिणाम आने पर परीक्षा में फेल हो जाने से आहत थी और फांसी लगा अपन जान दे दी। सुचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एक दशक के बाद जिया खान सुसाइड केस में सीबीआई कोर्ट सुनाएगी फैसला, सूरज पंचोली को मिलेगी सजा ?

जिया खान आत्महत्या मामले में घटनाक्रम में मुंबई की एक अदालत 28 अप्रैल 2023 को अपना फैसला सुना सकती है। विशेष न्यायाधीश एएस सैय्यद ने 20 अप्रैल को मामले पर अंतिम दलीलें पूरी कर ली थीं, जिसके बाद उन्होंने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब इसकी घोषणा कल होने की संभावना है।

करीब 10 साल से चल रहे एक्ट्रेस के सुसाइड मामले में सीबीआई की विशेष अदालत शुक्रवार (28 अप्रैल) को फैसला सुना सकती है। पिछले हफ्ते सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एएस सैय्यद ने दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनीं और मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। 3 जून 2013 को जिया खान, जो एक अमेरिकी नागरिक थी– जुहू, मुंबई में अपने अपार्टमेंट में पंखें से लटकी पाई गई थी। बाद में पुलिस ने छह पन्नों का एक सुसाइड नोट बरामद किया। नोट को लेकर यह दावा किया जाता है कि यह जिया खान ने मरने से पहले लिखा था। पत्र की सामग्री के आधार पर अभिनेता सूरज पंचोली को गिरफ्तार किया गया और ष्आत्महत्या एक बड़े के लिए उकसानेष का मामला दर्ज किया गया।

केंद्रीय एजेंसी ने कहा था कि चिट्ठी जिया के षनिकट प्रताड़नाष कथित तौर पर पंचोली के हाथों थी, जिसके गवाह हैं, ने अदालत को फिल्म उद्योग में अपनी बेटी कारण जिया खान ने आत्महत्या कर ली। सूरज और जिया ने सितंबर 2012 में डेटिंग शुरू की। बाद में उनका रिश्ता खराब दौर से गुजर रहा था। ये रिश्ता इतना बत्तर हो गया कि जिया खान ने जून 2013 में फंसी लगा कर आत्म हत्या कर ली।

एक रिपोर्ट के अनुसार 2021 में इस मामले को एक विशेष सीबीआई अदालत को सौंप दिया गया था, क्योंकि सत्र अदालत ने कहा था कि इस मामले पर उसका अधिकार क्षेत्र नहीं है क्योंकि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इसकी जांच की थी। बॉलीवुड एक्ट्रेस की मां राबिया खान, जो एक दशक लंबे मामले में अभियोजन पक्ष की प्रमुख के करियर और जिया के सूरज के साथ संबंधों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि यह हत्या थी न कि आत्महत्या, और कहा कि उनकी बेटी एक कथित अपमानजनक रिश्ते में थी। हालांकि बॉम्बे हाई कोर्ट ने पिछले साल मामले की नए सिरे से जांच की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। बिया खान यह भी आरोप लगाया कि सीबीआई और पुलिस ने यह साबित करने के लिए ष्कानूनी सबूतष नहीं जुटाए कि क्या उनकी बेटी ने आत्महत्या की है। जिया को श्गजनीश (2008), श्हाउसफुलश (2010) और शनिशब्दश (2007) सहित अन्य फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। पंचोली फिलहाल मामले में जमानत पर बाहर हैं।

क्या है जिया खान मौत का मामला?: जून 2013 में जिया खान को उनकी मां राबिया खान ने अपने घर में फांसी पर लटका पाया था। खान ने कथित तौर पर सूरज पंचोली के साथ अपने संबंधों का वर्णन करते हुए 6 पन्नों का एक पत्र भी लिखा था। जिया की मौत के बाद उसकी मां ने सूरज और उसके परिवार पर जिया के साथ श्दुर्व्यवहारश करने का आरोप लगाया था। उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया था। सूरज को गिरफ्तार भी किया गया था लेकिन बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

सुबह पेट नहीं होता साफ और मोशन में होती है दिक्कत तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खें, पाचन शक्ति होगी दुरुस्त

कई बार लोग कब्ज की समस्या से काफी परेशान रहते हैं। क्योंकि सुबह–सुबह उठकर पेट साफ नहीं होता है तो पूरा दिन परेशानी भरा हो जाता है। लगभग आधी आबादी कब्ज की समस्या से परेशान है। हालांकि कब्ज को लेकर न जाने कितने ही टोटके आजमाए जाते हैं। साथ ही हमारे देश में आयुर्वेद के महत्व को तो आप सभी भलीभांति जानते हैं। वहीं कब्ज से जुड़े कई आयुर्वेदिक नुस्खे आपको इस समस्या से राहत पा सकते हैं।

कब्ज के साथ एक और गंभीर समस्या होती है सख्त मोशन की। मोशन करते समय पेट दबाकर ताकत लगाने के बाद भी कई बार रिलीफ नहीं मिलता है। हार्ड स्टूल की प्रॉब्लम से कई लोग परेशान होते हैं। ऐसे में आपको कुछ ऐसी चीजें करनी चाहिए। आयुर्वेदिक डॉ. दीक्षा भावसार ने एस बारे में जानकारी शेयर की है। डॉक्टर दीक्षा के अनुसार, वात दोष के बढ़ने के कारण सही मायने में कब्ज होता है। हालांकि इसके कई अन्य कारण हो सकते हैं।

कब्ज की समस्याः इससे पहले हम कब्ज के ट्रीटमेंट के बारे में समझना चाहिए। आखिर कब्ज और हार्ड स्टूल्स की समस्या होती क्यों है।

यदि हमारा खान–पान सही नहीं होता है।

डिनर अगर काफी देर से होता है।

अगर हम बहुत ज्यादा ठंडा, सूखा, बासी, तीखा और तला हुआ खाते हैं।

अगर हमारे फूड में फाइबर की कमी होती है।

यदि हम बॉडी की जरूरत के हिसाब से पानी नहीं पीते हैं।

मेटाबॉलिज्म सही नहीं होने पर कब्ज की समस्या होती है।

सोने–जागने का रूटीन बिगड़ा हो तो कब्ज की समस्या होती है।

लाइफस्टाइल काफी ज्यादा सुस्त हो जाने पर भी इसकी समस्या होती है।

इसके साथ ही कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो जाने से भी ऐसा हो जाता है।

कब्ज और हार्ड स्टूल्स की दिक्कत को रोकने के लिए कई बार लोग लैक्सटिव्स आदि का उपयोग करते हैं। आपकी आंतों को लैक्सटिव्स बहुत नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ ही यह अनहेल्दी है। इसकी आदत लगने पर आपको नॉर्मल तरीके से स्टूल्स पास नहीं कर पाएंगे।

कैसे दूर करें यह समस्या

अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए कुछ देसी नुस्खों को आजमा सकते हैं। आपके किचन में मौजूद सामान कब्ज की शिकायत से आपको राहत दिला सकते हैं।

गाय के दूध का घी

गाय का घी आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में बहुत सहायक होता है। बता दें कि यह एक नेचुरल लैक्सेटिव भी है। गाय के दूध का घी एक हेल्दी फैट होता है। यह आपकी बॉडी में अच्छे से एब्डॉर्व हो सकता है। हालांकि वेट बढ़ने की चिंता से करने वाले लोग भी इसका सेवन कर सकते हैं। गाय के दूध के घी में विटामिन–ए, विटामिन–डी, विटामिन–ई और विटामिन–के मौजूद होता है।

क्या करें और क्या न करें

कब्ज की शिकायत से बचने के लिए सुबह खाली पेट या सोने से पहले 1 चम्मच गाय के घी का सेवन करना चाहिए। बता दें कि गाय का शुद्ध घी काफी अच्छा होता है। हांलाकि भैंस के घी आपके मोटापे को बढ़ा सकता है। अगर यह आपको सूट नहीं करता है तो आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए। वेट बढ़ाने वालों के लिए भैंस के दूध का घी काफी अच्छा होता है।

गाय का दूध : कई रिसर्च में आपको यह जानकारी मिल जाएगी कि गाय का दूध नेचुरल लैक्सेटिव है। सभी के लिए दूध अच्छा है या बुरा, इस पर भी कई शोध हुए हैं। जिसमें सामने आया है कि हर किसी को दूध सूट नहीं करता है। हालांकि अगर एवरेज लेक्सेटिव की बात करें तो यह सीनियर सिटीजन्स और बच्चों के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है। इसके अलावा गाय का दूध प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए भी काफी अच्छा होता है।

क्या करें और क्या न करें

रात को सोने के दौरान गुनगुने दूध का सेवन करना चाहिए। पित्त की समस्या से परेशान लोगों के लिए यह काफी फायदमंद साबित हो सकता है। क्रोनिक दस्त को भी कम करने में सहायक होता है। गाय के दूध के साथ आप एक चम्मच घी भी ले सकते हैं। इस दौरान आप ध्यान रखें कि भैंस का दूध नहीं लेना है। वहीं फुल क्रीम दूध भी आपके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है।

किशमिशः कब्ज और सख्त मोशन की समस्या को काली किशमिश काफी हद तक हल कर सकती है। काली किशमिश में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है। यह स्टूल के स्मूथ मूवमेंट के लिए काफी अच्छा होता है।

क्या करें और क्या न करें

कुछ किशमिश रात में भिगोकर रख दें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। सूखी किशमिश का सेवन नहीं करना चाहिए। सूखी किशमिश खाने से बात दोष बढ़ने के साथ ही पेट में गैस की समस्या भी बढ़ने लगती है। इसको डाइजेस्ट होने में भी समस्या होती है।

आंवले का रस

आंवले में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाई जाती है। यह लैक्सेटिव के लिए काफी अच्छा होता है। साथ ही आंवले का सेवन कई तरह के हेल्थ इश्यूज के दौरान भी किया जाता है। बता दें कि कब्ज की समस्या से निजात पाने के लिए आंवला काफी फायदेमंद होता है।

क्या करें और क्या न करें

आंवला शॉट की तरह सुबह भी ले सकते हैं। वहीं इसे फल व पाउडर के तौर पर सुबह खाली पेट भी लिया जा सकता है। आंवले का जरूरत से ज्यादा सेवन नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए सीमित मात्रा में ही इसका सेवन करना चाहिए।

पेट दर्द और ब्लोटिंग ने कर दिया है दुखी तो अपनाएं ये आयुर्वेदिक नुस्खे

कई लोगों का गर्मियों में पेट ज्यादा फूलता है, ऐसा पाचन तंत्र में जलन के कारण होता है। खाने–पीने में लापरवाही करना, ब्लोटिंग, पेट में दर्द और गैस की समस्या बनाता है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. वारा लक्ष्मी ने हेल्थ संबंधी टिप्स और जानकारियां शेयर की हैं। ब्लोटिंग क्या है और इस समस्या से कैसे निजात पा सकते हैं। डॉ वारा लक्ष्मी ने इसके बारे में बताया है। वहीं गर्मियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में अगर आप भी गैस, पेट में दर्द और ब्लोटिंग की समस्या से परेशान हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए हैं।

ब्लोटिंग का कारणः पेट फूलने और पेट दर्द का सबसे आम कारण अधिकतर आंतो की गैस होती है। वहीं खाना खाने के बाद अगर आपका पेट फूलता है तो आपको पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। इसके अलावा जल्दी–जल्दी खाने से भी यह समस्या हो सकती है। इसके अलावा कुछ ऐसे फूड्स होते हैं, जो इंटॉलरेंस भी हो सकते हैं। डाइजेस्टिव फायर और सामान वात की गड़बड़ी के कारण ब्लोटिंग होती है। प्रोसेस्ड फूड्स, कच्चा और बासी खाने की वजह से गैस और ब्लोटिंग की समस्या पैदा होती है।

ब्लोटिंग की समस्या से कैसे पाएं निजात

अगर आप भी ब्लोटिंग की समस्या से परेशान हैं तो किचन में रखी कुछ चीजें आपको इससे राहत दिला सकती हैं। आइए जानते हैं कि इन चीजों का कैसे सेवन करना चाहिए।

अजवाइन लेंः हर किचन में अजवाइन पायी जाती है। खाने में चुटकी भर आजवाइन के पाउडर को जरूर डालें। बता दें कि अजवाइन वात को बैलेंस करने का काम करता है। अजवाइन में एंटी–स्पास्मोडिक गुण पाए जाते हैं। यह गुण पेट के दर्द से और ब्लोटिंग से राहत पहुंचाने का काम करती है। सुबह–सुबह खाली पेट अजवाइन के पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे आपको पेट फूलने की समस्या से निजात मिलेगी।

गर्म खाना खाएंः आपको ठंडा खाना या सलाद के सेवन से बचना चाहिए। अत्यधिक गर्मी के प्रति आंत संवेदनशील होती है। ठंडे खाद्य पदार्थों को खाने से पूरे शरीर को झटका लगता है। जिसके कारण पाचन की संवेदनशीलता बढ़ जाती है। जिसके कारण खाना नहीं पच पाता है। यही वजह है कि हमेशा गर्म और अच्छे से पके हुए खाने का सेवन करना चाहिए।

सौंफ का पानीः सौंफ के बीजों में कंपाउंड एनेथोल में एंटी–स्पास्मोडिक गुण पाए जाते हैं। यह गैस, एनेथोल सूजन और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने में सहायक होता है। वहीं सौंफ का पानी पीने से गैस और सूजन कम करने में सहायता मिल सकती है। गैस और सूजन कब्ज और अपच का एक सामान्य लक्षण होता है।

चबाकर खाएं खानाः अगर आप भी जल्दी–जल्दी खाना खाने के आदी हैं तो भी आपको यह समस्या उत्पन्न हो सकती है। वहीं जब आप खाने को चबाकर अच्छे से खाते हैं। तब यह खाने के बड़े टुकड़ों को छोटे टुकड़ों में तोड़ने में मदद करता है। यह एसोफैगस पर तनाव को भी कम करने में सहायक होता है। साथ ही आपके भोजन को मेटाबॉलाइज करने में मदद करता है। इसलिए खाने को अच्छे से चबाकर खाना चाहिए। जिससे कि यह आसानी से पच जाए।

स्ट्रेस न लेंः अधिक तनाव आपके पाचन क्रिया को धीमा कर देता है। जिससे सूचन, दर्द और कब्ज की शिकायत होती है। जबकि अन्य में यह गति को बढ़ाने का कम करता है। जिसके कारण व्यक्ति को बार–बार पेशाब जाना पड़ता है। इसलिए तनाव को अपने पेट तक नहीं पहुंचने दें। इसके लिए जरूरी है कि अपने मन को शांत रखें। क्योंकि तनाव का सीधा असर आपकी हेल्थ पर पड़ता है। खाना खाने से पहले लंबी–लंबी सांसे लेनी चाहिए और इसके बाद खाना खाएं।

कार्तिक आर्यन, कबीर खान मई में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग करेंगे शुरू

भूल भुलैया 2, धमाका, प्यार का पंचनामा और सोनू के टीटू की स्वीटी जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए पहचाने जाने वाले कार्तिक आर्यन अगले महीने बजरंगी भाईजान और एक था टाइगर फेम कबीर खान द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। कबीर की आखिरी निर्देशित फिल्म 83 के विपरीत, जिसमें 1983 के विश्व कप विजेता टीम के राष्ट्रीय नायकों की कहानी बताई गई थी, उनकी अगली फिल्म एक अज्ञात नायक के बारे में होगी। एक इवेंट में फिल्म के बारे में बात करते हुए, फिल्म निर्माता ने कहा, यह एक सच्ची कहानी है जो मेरे सामने आई। इस बार यह 83 के विपरीत एक अज्ञात नायक के बारे में है, जिसमें जीवित लेजेंड्स को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में हम सभी जानते हैं। उन्होंने कहा, जिसने यह सब किया है, उसे हमने कैसे फीका पडने दिया। यही उत्साह है। मैं शायद मई से फिल्म की शूटिंग शुरू करूंगा और इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अन्य किरदारों के लिए कास्टिंग चल रही है। कार्तिक फिलहाल अपनी अगली फिल्म सत्यप्रेम की कथा के रोमांटिक ट्रैक की शूटिंग के लिए कश्मीर में हैं। कहा जाता है कि एक्टर ने कबीर खान की फिल्म के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है और कश्मीर से वापस आने के बाद वह इस प्रोजेक्ट पर गहराई से विचार करेंगे। इस बीच, सत्यप्रेम की कथा, जिसमें कियारा आडवाणी भी हैं, 29 जून को रिलीज होने वाली है।